संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -133 गुरूवार ,16 मार्च 2023,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

सवाल पूछे जाने से रोकने पर बीजेपी विधायक का हंगामा

» बीजेपी विधायक ने तोड़ दिया माइक,दो दिनों के लिए सस्पेंड

» रौशन लगातार पूरक प्रश्न पूछना चाह रहे थे लेकिन आसन उसकी इजाजत नहीं देना चाह रहा था

» चौधरी ने कहा,मेरा और सरकार का भी मानना है कि जिस भावावेश में या जिस कारण से भी हो, रौशन ने असंसदीय आचरण करके सदन और आसन की मर्यादा का हनन किया है

पटना,15 मार्च,2023(ए)। बिहार विधानसभा में माइक तोड़ने के आरोप में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक लखेंद्र कुमार रौशन को आज से दो दिनों के लिए सदन से निलंबित कर दिया गया। दरअसल, सदन में हुए विपक्ष के हंगामे के दौरान उन्होंने माइक तोड़ दिया।

विधानसभा में भोजनावकाश के बाद संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने प्रस्ताव पेश किया कि पातेपुर विधानसभा क्षेत्र के सदस्य लखेंद्र कुमार रौशन को सदन की कार्यवाही को बाधित करने और माइक तोड़ने के कारण आज के उपवेशन से लेकर दो दिनों तक के लिए सदन की कार्यवाही से निलंबित किया जाए। इसके बाद सभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी ने प्रस्ताव को ध्वनिमत से पारित किए जाने की घोषणा की। सदन से रौशन को निलंबित करने का प्रस्ताव पारित होने के विरोध में भाजपा के सदस्य शोरगुल और नारेबाजी करते हुए सदन से बहिर्गमन कर गए।

इससे पहले संसदीय कार्य मंत्री चौधरी ने कहा कि आज भोजनावकाश से पूर्व प्रश्नकाल के दौरान भाजपा के लखेंद्र कुमार रौशन का समाज कल्याण विभाग से संबंधित प्रश्न था। संबंधित मंत्री ने सरकार की जानकारी के मुताबिक संतोषजनक जवाब दिया। उसके बाद दो-तीन पूरक प्रश्न भी पूछे गए और उसका भी मंत्री ने यथासंभव संतुष्टि लायक उत्तर दिया, फिर भी रौशन लगातार पूरक प्रश्न पूछना चाह रहे थे लेकिन आसन उसकी इजाजत नहीं देना चाह रहा था फिर भी वह इस पर जोर दे रहे थे और अंत में जब आसन ने उसी दल के वरिष्ठ सदस्य को अगले प्रश्न के लिए नाम पुकारा तो मन में विरोध होना स्वाभाविक है लेकिन सदन में विरोध की भी एक सीमा होती है। हम सब ने देखा है कि जिस ढंग से रौशन ने आपत्तिजनक तरीके से विरोध में या गुस्सा के भाव में माइक को तोड़ दिया, यह न सिर्फ असंसदीय आचरण है बल्कि आसन और सदन का अपमान भी है।

संसदीय कार्य मंत्री चौधरी ने कहा कि पता नहीं क्यों यह बार-बार हो रहा है कि जब लोगों को बोलना होता है तो वे माइक के सामने खड़े होकर के ऑपरेटर को डायरेक्शन देते हैं। रौशन भी आज जब आसन से और पूरक पूछने की इजाजत नहीं मिली तो वह ऑपरेटर को ही देख कर सारे गुस्से का इजहार कर रहे थे। यह तो और भी अलोकतांत्रिक और किसी भी सदस्य के आचरण के प्रतिकूल है। माइक हमेशा तभी ऑन होता है जिसपर आसन की नजर होती है या आसन जिसे बोलने की इजाजत देता है। यही स्थापित संसदीय प्रणाली है और इसी तरह से सदन चलता है।

चौधरी ने कहा, मेरा और सरकार का भी मानना है कि जिस भावावेश में या जिस कारण से भी हो, रौशन ने असंसदीय आचरण करके सदन और आसन की मर्यादा का हनन किया है। आसन ने भी इसका संज्ञान लेते हुए नियमन दे दिया है कि आसन इस पर कार्रवाई करेगा। अब इस हालत में सदन सुचारू रूप से चले, आसन और सदन की मर्यादा बनी रहे तथा आसन के नियमन का भी सम्मान बना रहे इसलिए हम अनुरोध करेंगे कि रौशन अपने इस अशोभनीय आचरण के लिए सदन में कम से कम खेद प्रकट करें अन्यथा आसन के नियमन के अनुपालन में हमें कार्यवाही करने का प्रस्ताव देना पड़ेगा।

सभाध्यक्ष ने लखेंद्र कुमार रौशन को अपनी बात रखने का मौका दिया और कहा कि यदि उन्हें सफाई में कोई बात कहनी है तो वह कहें। इस पर नेता प्रतिपक्ष सिन्हा ने कहा कि संसदीय कार्य मंत्री ने सरकार की ओर से अपना पक्ष रख दिया है अब नेता प्रतिपक्ष को अपनी बात कहने का मौका दिया जाए। इसको लेकर पक्ष-विपक्ष के सदस्य एक बार फिर शोरगुल करने लगे। इसके बाद सभाध्यक्ष ने नेता प्रतिपक्ष को भी अपनी बात रखने का मौका दिया।

यूपी की जेलों में बढ़ेगी छानबीन

» अतीक गिरोह पर की निगरानी

» गवाहों की सुरक्षा के लिए डीजीपी ने जारी किए निर्देश

लखनऊ,15मार्च,2023(ए)। प्रयागराज में उमेश पाल की हत्या के बाद सूबे की अलग-अलग जेलों में बंद माफिया अतीक अहमद गिरोह के कई करीबी भी जांच के घेरे में आ गए हैं। बरेली जेल में अतीक अहमद के भाई अशरफ की चौकसी बढ़ाए जाने के बाद गिरोह के कुछ अन्य सक्रिय सदस्यों की जेलों में हुई मुलाकातों की छानबीन भी शुरू की गई है।

जेलों में जांच का दायरा बढ़ता जा रहा है। वहीं इस दुस्साहसिक वारदात के बाद डीजीपी मुख्यालय ने एक बार फिर गवाहों की सुरक्षा की चिंता जताई है। डीजीपी डॉ. डीएस चौहान ने साक्षी सुरक्षा योजना का कड़ाई से अनुपालन कराने का निर्देश दिया है।

उमेश पाल की हत्या के मामले की छानबीन के दौरान एक के बाद एक नए तथ्य सामने आ रहे हैं। इसी कड़ी में बरेली जेल में बंद अशरफ से 11 फरवरी को मिलने वाले उसके करीबियों को लेकर भी पड़ताल के कदम बढ़ रहे हैं।

एसटीएफ ने अतीक गिरोह के बीते दिनों जेल से बाहर आए कई सक्रिय सदस्यों की गतिविधियों की छानबीन भी तेज की है। उमेश पाल की हत्या की साजिश में कुछ अन्य अपराधियों के भी शामिल होने की आशंका है। इसे लेकर भी पड़ताल की जा रही है।

यही वजह है कि अलग-अलग जेलों में बंद कुछ कुख्यातों से बीते दिनों मिलने पहुंचे लोगों के बारे में भी पड़ताल के कदम बढ़ रहे हैं। दूसरी ओर डीजीपी ने इस जघन्य वारदात के बाद गवाहों की सुरक्षा को लेकर विस्तृत निर्देश दिए हैं। कहा है कि साक्षी सुरक्षा योजना-2018 का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। सभी जिलों में जिला व शस्त्र न्यायाधीश की अध्यक्षता में डीएम, अभियोजन अधिकारी व एसपी की स्टैंडिंग कमेटी गठित हैं।

डीजीपी ने कहा है कि सभी जिलों में विटनेस प्रोटेक्शन सेल के कर्मियों व कार्यों की नियमित समीक्षा की जाए। इसके साथ ही विशेषकर एमपी-एमएलए कोर्ट में विचाराधीन गंभीर अपराधों से जुड़े मुकदमों के गवाहों की सुरक्षा की समीक्षा का निर्देश दिया है। साक्षी सुरक्षा योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किए जाने का निर्देश भी दिया है।

जमीन विवाद में हस्तक्षेप न करे पुलिस

डीजीपी ने जमीन संबंधी विवादों को लेकर भी विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। कहा है कि भूमि संबंधी विवादों में पुलिस अनावश्यक हस्तक्षेप न करे। ऐसे प्रकरण थाने में आने पर स्थानीय कार्यपालक मजिस्ट्रेट व राजस्व विभाग के अधिकारियों को उसकी सूचना दी जाए।

डीजीपी ने कहा है कि जिन भूमि विवादों में हिंसा अथवा विवाद की स्थिति हो, उन्हें चिह्नित कर भूमि विवाद रजिस्टर में दर्ज किया जाए। बीट स्तर पर इसका मूल्यांकन कराने के साथ ही निरोधात्मक कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाए।

दम घुटने की वजह से 4 लोगों की मौत

» पाइप की सफाई करने नाले में उतरा था व्यक्ति

पुणे,15मार्च,2023(ए)। महाराष्ट्र के पुणे में बुधवार को एक नाले में दम घुटने की वजह से 4 लोगों को मौत हो गई। बता दें कि, पुणे के बारामती में एक व्यक्ति नाले में मोटर पाइप की सफाई करने के लिए उतरा था, लेकिन इसी बीच दम हुए हादसे की वजह से चार लोगों की मौत हो गई।

बकौल एजेंसी, बारामती में एक नाले में दम घुटने से चार लोगों की मौत हो गई। प्रवीण अटोले नामक एक व्यक्ति मोटर पाइप साफ करने के लिए अंदर गया, लेकिन वह बेहोश हो गया और उसे बचाने के लिए उसके पिता अंदर गए, तो वे भी बेहोश हो गए।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, प्रवीण अटोले नामक व्यक्ति को बचाने के लिए एक-एक करके तीन लोग नाले में उतर गए और सभी लोगों की दम घुटने से मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि प्रवीण और उनके पिता के पीछे 2 लोग और अंदर गए और उनकी मृत्यु हो गई।

दम घुटने के कारण हो गए थे बेहोश

मालेगांव थाने के एक अधिकारी ने बताया कि नाला भरा हुआ था और पीड़ित उसे साफ कर रहे थे। कुछ कचरा नाले के मोटर पंप में फंस गया, इसलिए प्रवीण अटोले नामक व्यक्ति उसे हटाने के लिए अंदर गया, लेकिन दम घुटने के कारण वह बेहोश हो गया। उन्होंने बताया कि प्रवीण के पिता भानुदास अटोले, प्रकाश सोपान अटोले और बाबासाहेब गवाहने एक-एक करके चैंबर में दाखिल हुए और सभी बेहोश होकर अंदर जमा पानी में गिर गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि चारों को नाले से बाहर निकालकर हॉस्पटिल ले गए, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

पीएम मोदी की सुरक्षा चूक मामले में 9 अफसरों पर गिरेगी गाज

चंडीगढ़ ,15मार्च,2023(ए)। 5 जनवरी 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे के दौरान उनकी सुरक्षा में हुई चूक के मामले में 9 अफसरों पर कार्रवाई हो सकती है। उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार, इनमें एक आईएएस और 8 पुलिस अधिकारी हैं। एक- दो दिन में गृह मंत्रालय को अंतरिम रिपोर्ट पंजाब सरकार भेजेगी।

बताया जाता है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर रिटायर्ड जस्टिस इंदु मल्होत्रा की अगुवाई में बनाई गई 5 मेंबरी कमेटी ने अपनी जांच रिपोर्ट में इन अफसरों को सुरक्षा में चूक का जिम्मेदार ठहराया था। यह रिपोर्ट अगस्त 2022 में सुप्रीम कोर्ट के सामने पेश की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने पांच जनवरी 2022 को इस मामले की जांच के लिए एक कमेटी का गठन किया था। इस कमेटी ने करीब छह माह पहले अगस्त 2022 में अपनी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को सौंप दी थी। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की रिपोर्ट के मुताबिक पीएम के दौरे की सूचना होने के बावजूद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने लापरवाही बरती और ब्लू बुक से हिसाब से प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया।

एक मीडिया हाउस ने चीफ सेक्रेटरी विजय कुमार जंजुआ के हवाले से बताया कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित जांच कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान ड्यूटी पर लापरवाही बरतने वाले अफसरों को नोटिस दिए गए थे। अब आगे की कार्रवाई के लिए फाइल सीएम को भेज दी गई है।

सिद्धू मूसेवाला मर्डर पर लॉरेंस बिश्नोई का बड़ा खुलासा

गोल्डी बराड़ ने कराई थी हत्या पर बदला अभी पूरा नहीं हुआ

चंडीगढ़,15मार्च,2023(ए)। गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई ने एक मीडिया हाउस को दिए इंटरव्यू में सनसनीखेज खुलासे किए हैं।

इन खुलासों से कई एजेंसियों के कान खड़े हो गए हैं और सोशल मीडिया पर यह इंटरव्यू तेजी से वायरल हो रही है। बिश्नोई ने इंटरव्यू में कहा है कि गोल्डी बराड़ ने सिद्धू मूसेवाला का मर्डर कराया था और उसने साथ ही कहा कि अभी और बदला लेना है। बिश्नोई ने कहा कि उसे (गोल्डी) दर्द है, लड़ाई लड़ रहा है, मेरा विक्की भाई था, गुरुलाल मेरा भाई था और उसका भी भाई है, बदला मैंने नहीं लिया है। इंटरव्यू में लारेंस बिश्नोई कहता है कि मूसेवाला नेतागिरी में सिंडिकेट बना रहा था वो, मेरे खिलाफ गैंग तैयार कर रहा था, जिन्होंने विक्की-गुरुलाल को मारा है उससे अब बदला लेना है। उसका पिता (सिद्धू मूसेवाला का पिता) हम लोगों का नाम ले रहा है।

बिना गंदी नीयत नाबालिग के सिर और पीठ पर हाथ फेरना अपराध नहीं

» 11 साल पुराने मामले में बॉम्बे एच सी ने युवक को किया बरी

मुंबई,15 मार्च,2023 (ए)। नाबालिग बच्चों के यौन शोषण मामले बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला दिया है। उच्च न्यायालय की नागपुर बेंच ने कहा है कि बिना किसी गलत नीयत के नाबालिग बच्ची के सिर और पीठ पर हाथ फेरना गुनाह नहीं है।

अदालत ने अपने इसी फैसले के साथ 11 साल पहले 2012 के एक मामले में सजा पाए अभियुक्त को दोषमुक्त कर दिया। इस मामले की सुनवाई 10 फरवरी, 2023 को हुई थी। आरोपित को निचली अदालत ने लज्जा भंग का दोषी माना था।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह मामला 15 मार्च 2012 का था। तब वर्धा का रहने वाला 18 साल का युवक एक घर पर कुछ कागजात देने गया था। उस समय घर पर सिर्फ 12 साल की नाबालिग बच्ची थी। बच्ची को कागजात सौंपते हुए युवक ने उसके सिर और पीठ पर हाथ फेरा। इस दौरान युवक ने पीड़िता से कहा कहा कि वो अब बड़ी हो गई है। युवक की इस हरकत से लड़की डर गई और शोर मचाने लगी। शोर सुन कर आसपास के लोग जमा हो गए। उन्होंने युवक को पकड़ लिया। बाद में लड़की के घर वालों को फोन कर के बुलाया गया।

लड़की के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने युवक के खिलाफ आईपीएस की धारा 451 और 354 के तहत केस दर्ज किया था। इस मामले में आरोपित पक्ष ने अपने बचाव में कहा कि पीड़िता के परिजनों ने उस से कुछ पैसे उधार लिए थे और जब उसे लौटाने के लिए कहा गया तो फर्जी आरोप जड़ दिए गए।

जाँच में आरोपित और पीड़िता की माँ के बीच पैसों के लेन-देन की बात भी सही साबित हुई थी। घटना के दिन भी युवक इसी मामले में कुछ कागजात लेकर पीड़िता के घर गया था।

अदालत ने अपने फैसले में कहा कि पीड़िता ने कहीं भी आरोपित द्वारा खुद को गलत तरीके से छूने की बात नहीं की। लड़की के बयान में केवल सिर्फ और पीठ पर हाथ फेरना था। कोर्ट ने माना कि ऐसा करना लड़की को पसंद नहीं आया। कोर्ट ने माना कि युवक पीड़िता को एक बच्ची की ही तरह देख रहा था। हाईकोर्ट ने निचली अदालत द्वारा युवक को दोषी ठहराए जाने के फैसले को सही नहीं माना और सज़ा को रद्द कर दिया। मामले में फैसला जस्टिस भारती डांगरे ने सुनाया है।

विपक्ष अडानी मामले पर संसद में दिया नोटिस

नई दिल्ली,15मार्च,2023(ए)। राहुल गांधी के बयान पर संसद में सत्ता पक्ष और अडानी विवाद में जेपीसी की मांग कर रहे विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा में कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने सांसदों की अभिव्यक्ति की आजादी पर स्थगन नोटिस दिया है। तिवारी ने नोटिस में कहा, भारत के संविधान का अनुच्छेद 105 संसद के सदनों और सदस्यों और समितियों की शक्तियों और विशेषाधिकारों से संबंधित है। अनुच्छेद 105 (1) स्पष्ट रूप से बताता है कि '. संसद में भाषण', निश्चित रूप से, संवैधानिक पाठ और संसद द्वारा बनाए गए नियमों के अधीन है। राज्यसभा में कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने अदानी विवाद को लेकर राज्यसभा में सस्पेंशन ऑफ बिजनेस नोटिस दिया है। विपक्ष हिंडनबर्ग रिपोर्ट में संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की मांग कर रहा है, जबकि सरकार राहुल गांधी से ब्रिटेन में उनके बयान के लिए माफी की मांग कर रही है।

पूरे 56 ब्लेड खा गया कंपनी का अकाउंटेंट

» खून की उल्टी करने लगा तभी डॉक्टरों की फटी रह गई आंखें

जयपुर,15मार्च,2023(ए)। शरीर का अंग इतना नाजुक होता है कि अगर गलती से एक घाव भी लग जाए तो खून की धार निकल पड़ती है। बाहरी शरीर एक बार चोट सहन कर सकता है लेकिन आंतरिक अंग बिल्कुल एक खरोंच भी नहीं झेल सकता। लेकिन डॉक्टरों के पास एक ऐसा चौंकाने वाला मामला सामने आया जिसे देखकर वे खुद हैरान हो गए और आंखें फटी की फटी रह गई।

मामला राजस्थान के जालोर जिले के सांचौर से सामने आया है। यहां रहने वाला एक युवक एक-एक कर 56 ब्लेड निगल गया। उसकी हालत इतनी खराब हुई कि वह खून की उल्टियां करने लगा, साथियों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने उसकी सोनोग्राफी कराई तो वे भी हैरान रह गए। युवक के पेट में जगह-ब्लेड फंसे नजर आ रहे थे। ब्लेड से गले और पेट के अंदर जगह-जगह घाव हो गए थे। इसके बाद सात डॉक्टरों की टीम ने तीन घंटे तक ऑपरेशन कर के पेट से ब्लेड बाहर निकालीं।

युवक की उम्र 26 साल बताई जा रही है। यशपाल सिंह दाता का रहने वाला है और सांचौर एक कंपनी में अकाउंटेंट है। अपने चार दोस्तों के साथ वह बालाजी नगर में किराए के मकान में रहता है। रविवार सुबह सब ऑफिस चले गए, तब यशपाल कमरे पर अकेला था। अचानक उसे खून की उल्टियां होने लगीं, इसके बाद उसने अपने एक दोस्त को कॉल कर कहा कि उसकी तबीयत खराब है। उसके दोस्त कमरे पर पहुंचे और उसे अस्पातल में भर्ती कराया।

खून की उल्टियां कर रहे यशपाल का मेडिप्लस हॉस्पिटल के डॉ. ने पहले एक्सरे कराया और फिर सोनोग्राफी भी कराई। इससे उसके पेट में बहुत सारे ब्लेड नजर आए। एंडोस्कोपी करने के बाद ये बात पक्की हो गई कि यशपाल के पेट में ब्लेड ही हैं। इसके बाद उसके ऑपरेशन की तैयारी की गई। सात डॉक्टरों की टीम ने तीन घंटे के ऑपरेशन के बाद यशपाल के पेट से 56 ब्लेड निकालीं। फिलहाल उसकी हालत ठीक है, डॉक्टर उसके स्वास्थ्य पर नजर रखे हुए हैं। यशपाल के दोस्तों से जानकारी मिलने के बाद उसके परिजन भी अस्पताल पहुंच गए थे। फोन पर वह अच्छे से बात किया करता था। इधर, डॉक्टरों का कहना है कि हो सकता है कि यशपाल को डिप्रेशन या एंग्जाइटी हो, जिसके कारण उसने ब्लेड के तीन पैकेट खा लिए।

उसने ब्लेड को 2 हिस्सों में बांटकर कवर के साथ खाया था। जिससे ब्लेड उसके पेट में चली गई, अगर वह बिना कवर के साथ खाता तो ये गले में ही अटक जातीं। पेट में ब्लेड जाने के बाद उसका कवर गल गया और कट लगने से पेट के अंदर से खून निकलने लगा। जिससे उसे खून की उल्टियां होने लगीं।

उद्धव ठाकरे को लगा एक और झटका

» पूर्व स्वास्थ्य मंत्री दीपक सावंत ने थामा एकनाथ शिंदे गुट का दामन

मुंबई,15 मार्च,2023 (ए)। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे को बुधवार को एक और झटका लगा। बता दें कि उद्धव ठाकरे कैंप के नेता और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री दीपक सावंत ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का दामन थामा है। एकनाथ शिंदे ने डॉ. दीपक सावंत को शिवसेना पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस मौके पर एकनाथ शिंदे ने डॉ. दीपक सावंत का पार्टी में स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मैं डॉ. दीपक सावंत का हमारी शिवसेना पार्टी में स्वागत करता हूं। उनके अनुभव से हमें लाभ मिलेगा।

डॉ. दीपक सावंत तत्कालीन संयुक्त शिवसेना के एमएलसी थे और साल 2014 से 2018 तक देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकार में सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्री रह चुके हैं।

संपादकीय

ईडी की कार्रवाई से बिहार में भाजपा की उम्मीद बढ़ी

बिहार में भारतीय जनता पार्टी के नेताओं की उम्मीद बहुत बढ़ गई है। लालू प्रसाद के परिवार के खिलाफ और खासतौर से उनके बेटे और राज्य के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के खिलाफ हुई कार्रवाई से भाजपा को अपने लिए संभावना दिख रही है। जमीन के बदले नौकरी के मामले में तेजस्वी के यहां प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने छापा मारा और उससे सीबीआई ने उनको पूछताछ के लिए बुलाया तो अब बिहार भाजपा के नेताओं को लग रहा है कि वे गिरफ्तार हो सकते हैं। ऐसे में राजद के नेता हर हाल में तेजस्वी को गिरफ्तारी से बचाने का प्रयास करेंगे तो नीतीश कुमार उनसे दूरी बनाने का प्रयास कर सकते हैं। इस बीच बिहार भाजपा के नेताओं ने दोनों पार्टियों में फूट डालने का प्रयास शुरू कर दिया है।

बिहार भाजपा के सबसे बड़े नेता और राज्यसभा सांसद सुशील मोदी ने एक के बाद एक कई ट्विट करके कहा कि तेजस्वी के यहां छापा मारे जाने और उनकी गिरफ्तारी की संभावना से जदयू खेमे में जश्न का माहौल है। वे बता रहे हैं कि जदयू नेता तेजस्वी की गिरफ्तारी की आस लगाए बैठे हैं ताकि उनके पकड़े जाने के बाद नीतीश कुमार की 2025 तक की राह निष्कंटक हो जाए। असल में भाजपा को लग रहा है कि इस मसले पर दोनों पार्टियों में 2017 की तरह दूरी बनती है तो नीतीश फिर एनडीए खेमे में लौट सकते हैं। नीतीश के अपने करीबी लोग भी ऐसा ही चाहते हैं। ध्यान रहे भाजपा पहले भी कह चुकी है कि नीतीश कुमार की इसी शर्त पर एनडीए में वापसी होगी कि वे बिहार में भाजपा का मुख्यमंत्री बनवाएं। ध्यान रहे समूची हिंदी पट्टी या उत्तर, मध्य और पश्चिम भारत में बिहार इकलौता राज्य है, जहां भाजपा का मुख्यमंत्री नहीं बना है। इस बार भाजपा के नेता इसकी उम्मीद कर रहे हैं।

क्यूरेटिव पिटीशन खारिज होने से टूट गई सारी उम्मीदें

» गैस पीड़ितों के साथ केंद्र और राज्य सरकार को भी तगड़ा झटका - सुप्रीम कोर्ट से क्यूरेटिव पिटीशन खारिज़

» दुनिया में सबसे खतरनाक औद्योगिक दुर्घटनाओं में एक भोपाल गैस त्रासदी के पीड़ितों की अब सारी उम्मीदें टूट गई - मुआवजा बढ़कर नहीं मिलेगा

वैश्विक स्तरपर इतिहास गवाह रहा है कि अनेकों प्राकृतिक आपदाओं औद्योगिक दुर्घटनाओं परिवहन दुर्घटनाओं सहितअनेकों त्रासदियां आती रही है। फिर उसकी जांच का क्रम आता है, ताकि उस त्रासदी की जवाबदेही तय की जा सके और दोषियों को सजा मिल सके ताकि ऐसी दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति होने से बचाया जा सके परंतु दशकों से हम देखते आ रहे हैं कि किसी भी केस के न्यायिक अंजाम तक पहुंचने में वर्षों लग जाते हैं।जिसमें पीड़ित सहित हितधारक व दोषियों की मृत्यु तक हो जाती है। इसका सटीक उदाहरण 14 मार्च 2023 को सुप्रीम कोर्ट द्वारा क्यूरेटिव पिटिशन को खारिज़ करने के साथ ही 1984 की भोपाल गैस त्रासदी के पीड़ितों को मुआवजा बढ़कर नहीं मिलेगा याने त्रासदी के 39 वर्षों तक लड़ाई लड़ने वाले पीड़ितों की टूट गई सारी उम्मीदें। चूंकि आज उच्चतम न्यायालय ने यह याचिका खारिज कर दी है,इसलिएमीडिया में आई जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से हम चर्चा करेंगे, गैस पीड़ितों के साथ केंद्र और राज्यसरकार को भी तगड़ा झटका लगा। परंतु भारत की खूबसूरती है कि हर पक्ष माननीय न्यायालय और उनके निर्णय का सम्मान करता है।

साथियों बात अगर हम 1984 में हुई भोपाल गैस त्रासदी की प्रक्रियागत स्थिति की करें तो, 2-3 दिसंबर 1984 की रात को भोपाल में यूनियन कार्बाइड की फैक्ट्री से जहरीली गैस लीक हुई। 4 मई 1989 को सुप्रीम कोर्ट ने यूसीसी से 470 मिलियन डॉलर हर्जाना लेनेका आदेश सुनाया।1991 में सुप्रीम कोर्ट ने भोपाल गैस पीड़ित संगठनों की रिव्यू पिटीशन खारिज की। हर्जाना बढ़ाने की मांग खारिज हुई थी। कहा था कि अतिरिक्त मुआवजा केंद्र सरकार को देना होगा। 22 दिसंबर 2010 को केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में क्यूरेटिव पिटीशन लगाई। इसमें अतिरिक्त हर्जाना मांगा गया था। 14 मार्च 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने इस क्यूरेटिव पिटीशन को खारिज कर दिया।

साथियों बात अगर हम भोपाल दुर्घटना क्रांति को जानने 39 वर्ष पीछे जाए तो, 2 दिसंबर 1984 की रात 8-30 बजे से मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल की हवा जहरीली हो रही थी। रात होते ही और 3 तारीख लगते ही ये हवा जहरीली तो होती रही, लेकिन साथ ही जानलेवा भी हो गई। कारण था यूनियन कार्बाइड की फैक्ट्री से मिथाइल आइसोसाइनेट गैस का लीक होना गैस के लीक होने की वजह थी टैंक नंबर 610में जहरीली मिथाइल आइसोसाइनेट गैस का पानी से मिल जाना। इससे टैंक में दबाव बन गया और वो खुल गया। फिर इससे निकली वो गैस, जिसने हजारों की जान ले ली और लाखों को विकलांग बना दिया, जिसका दंश आज भी दिखाई पड़ता है। 2-3 दिसंबर की रात भोपाल के लिए वो रात थी जब हवा में मौत बह रही थी। फैक्ट्री के पास ही झुग्गी-बस्ती बनी थी, जहां काम की तलाश में दूर-दराज गांव से आकर लोग रह रहे थे। इन झुग्गी-बस्तियों में रह रहे कुछ लोगों को तो नींद में ही मौत आ गई। जब गैस धीरे-धीरे लोगों

को घरों में घुसने लगी, तो लोग घबराकर बाहर आए, लेकिन यहां तो हालात और भी ज्यादा खराब थे। किसी ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया, तो कोई हांफते-हांफते ही मर गया। इस तरह के हादसे के लिए कोई तैयार नहीं था। बताते हैं कि उस समय फैक्ट्री का अलार्म सिस्टम भी घंटों तक बंद रहा था, जबकि उसे बिना किसी देरी के ही बजना था। जैसे-जैसे रात बीत रही थी, अस्पतालों में भीड़ बढ़ती जा रही थी, लेकिन डॉक्टरों को ये मालूम नहीं था कि हुआ क्या है? और इसका इलाज कैसे करना है? उस समय किसी की आंखों के सामने अंधेरा छा रहा था, तो किसी का सिर चकरा रहा था और सांस की तकलीफ तो सभी को थी। एक अनुमान के मुताबिक, सिर्फ दो दिन में ही 50 हजार से ज्यादा लोग इलाज के लिए पहुंचे थे। जबकि, कइयों की लाशें तो सड़कों पर ही पड़ी थीं भोपाल गैस त्रासदी की गिनती सबसे खतरनाक औद्योगिक दुर्घटना में होती है। इसमें कितनों की जान गई? कितने अपंग हो गए? इस बात का कोई सटीक आंकड़ा नहीं है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इस दुर्घटना में 3,787 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 5.74 लाख से ज्यादा लोग घायल या अपंग हुए थे। दूसरी ओर, सुप्रीम कोर्ट में पेश किए गए एक आंकड़े में बताया गया है कि दुर्घटना ने 15,724 लोगों की जान ले ली थी। इस हादसे का मुख्य आरोपी था वॉरेन एंडरसन, जो इस कंपनी का सीईओ था। 6 दिसंबर 1984 को एंडरसन को गिरफ्तार भी किया गया, लेकिन अगले ही दिन 7 दिसंबर को उन्हें सरकारी विमान से दिल्ली भेजा गया और वहां से वो अमेरिका चले गए। इसके बाद एंडरसन कभी भारत लौटकर नहीं आए। कोर्ट ने उन्हें फरार घोषित कर दिया था। 29 सितंबर 2014 को फ्लोरिडा के वीरो बीच पर 93 साल की उम्र में एंडरसन का निधन हो गया।गैस लीक होने के 8 घंटे बाद भोपाल को जहरीली गैस के असर से मुक्त मान लिया गया था, लेकिन 1984 में हुई इस दुर्घटना से मिले जख्म 36 साल बाद भी भरे नहीं हैं।

साथियों बात अगर हम दिनांक 14 मार्च 2023 को सुप्रीम कोर्ट द्वारा क्यूरेटिव याचिका खारिज करने की करें तोसुप्रीम कोर्ट ने केंद्र की उस क्येरिटव पिटीशन यानी उपचार याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें केंद्र ने भोपाल गैस त्रासदी को लेकर डाउ केमिकल्स से अतिरिक्त मुआवजे की मांग की थी। इससे गैस पीड़ितों के साथ-साथ केंद्र और राज्य सरकार को भी तगड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने 2010 में दाखिल क्यूरेटिव पिटीशन पर सुनवाई जनवरी में पूरी कर ली थी। फैसला सुरक्षित रखा था और14 मार्च को यह फैसला सुनाया गया। केंद्र सरकार ने अपनी याचिका में कहा था कि 1989 में जब सुप्रीम कोर्ट ने हर्जाना तय किया था, तब 2.05 लाख पीड़ितों को ध्यान में रखा गया था। इन वर्षों में गैस पीड़ितों की संख्या ढाई गुना से अधिक बढ़कर 5.74 लाख से अधिक हो चुकी है। ऐसे में हर्जाना भी बढ़ना चाहिए। यदि सुप्रीम कोर्ट हर्जाना बढ़ाने को मान जाता तो इसका लाभ भोपाल के लाखों गैस पीड़ितों को भी मिलता। हालांकि, कोर्ट ने इन दलीलों को खारिज कर दिया और साफ़ कर दिया कि यूनियन कार्बाइड की पैरेंट कंपनी डाउ केमिकल्स से जो वन-टाइम डील 1989 में हुई थी, उसे दोबारा नहीं खोला जा सकता। इससे सैकड़ों मौतें हुई थी। हादसे के 39 साल बाद सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस एसके कौल की संविधान पीठ ने 1989 में तय किए गए 725 करोड़ रुपये हर्जाने के अतिरिक्त 675.96 करोड़ रुपये हर्जाना दिए जाने की याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। यह याचिका केंद्र सरकार ने दिसंबर 2010 में लगाई थी और अब करीब 13 साल बाद फैसला आया है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट में डाउ केमिकल्स ने पहले ही साफ कर दिया था कि वह एक रुपया भी और देने को तैयार नहीं है।

साथियों सुप्रीम कोर्ट ने चार मई 1989 को फैसला सुनाया था कि यूनियन कार्बाइड को गैस त्रासदी के लिए 470 मिलियन डॉलर यानी उस समय 725 करोड़ रुपये चुकाने होंगे। उसका आधार यह था कि हादसे में 3, हज़ार लोगों की मौत हुई है और करीब दो लाख से अधिक लोगप्रभावित हुए हैं। हालांकि,वेलफेयरकमिश्नर की 15 दिसंबर 2022 की रिपोर्ट के मुताबिक अब तक भोपाल गैस त्रासदी की वजह से 5,479 लोग मारे गए हैं। 1989 में मुआवजे का आधार बना था कि बीसहजार लोग स्थायी विकलांग हुए हैं जबकि पचास हजार को मामूली चोटें आई हैं। हालांकि,यहआंकड़ा बढ़कर क्रमशः 35 हजार और 5.27 लाख हो गया। यानी चार मई 1989 को कुल पीड़ित 2.05 लाख थे, जो बढ़कर 5.74 लाख हो चुके हैं। यूनियन कार्बाइड को डाउ केमिकल्स ने खरीद लिया था और सुप्रीम कोर्ट में उसकी ओर से पैरवी वरिष्ठ वकील ने की। उन्होंने कोर्ट में कहा कि सेटलमेंट में इस केस को दोबारा खोलने का प्रावधान ही नहीं था। अब तक यूनियन कार्बाइड की हादसे के संबंध में जवाबदेही भी स्थापित नहीं हुई है। इस वजह से उस पर मुआवजे का अतिरिक्त बोझ नहीं डाला जा सकता। अतः अगर हम उपयोग पर्यावरण का अध्ययन कर उसकाविश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि टूट गईसारी उम्मीदें।गैस पीड़ितों के साथ केंद्र और राज्य सरकारको भी तगड़ा झटका सुप्रीम कोर्ट से क्यूरेटिव पिटीशन खारिज़।दुनिया में सबसे खतरनाक औद्योगिक दुर्घटनाओं में एक भोपाल गैस त्रासदी के पीड़ितों की अब सारी उम्मीदें टूट गई। मुआवजा बढ़कर नहीं मिलेगा।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

फिजा में मदमस्त बहार आई है

फ़िज़ा में मदमस्त बहार आई है
खुशियों ने फिर ली अंगड़ाई है
बाग मे बासन्ती फ़िज़ा छाई है
खुशियों से आँख भर आई है
आज की तो बात कुछ और है
बिखरी खुशियाँ ही हर ठौर है
बाग की हर कली मुस्कुराई है
खुशियों से आँख भर आई है
जीवन मे एक नया पहल हुआ है
जीवन मे साथी का दखल हुआ है
उसके संग संग खुशियाँ आई है
खुशियों से आँख भर आई है
हर क्षण अब सुहाना लग रहा है
जीवन मधुर तराना लग रहा है
प्रकृति के रग-2 मे खुमार छाई है
खुशियों से आँख भर आई है
जीने की तो आज समझ बनी है
बीतता जीवन केवल तना-तनी है
जीवन के नये सफर की बधाई है
खुशियों से आँख भर आई है

प्रमेशदीप मानिकपुरी
धमतरी
छत्तीसगढ़

विकास के मुद्दे पर चुनाव लड़ेंगें गहलोत

राजस्थान में विधानसभा के चुनाव होने में कुछ महीनों का ही समय शेष रह गया है। ऐसे में सभी राजनीतिक दलों ने चुनाव लड़ने के लिए अपनी-अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। कांग्रेस में चल रहा नेतृत्व परिवर्तन का मुद्दा भी खत्म सा हो गया है। यह तय हो गया है कि अगला विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा। उनके प्रतिद्वंदी सचिन पायलट ने भी अब मान लिया है कि प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन का समय निकल चुका है। इसीलिए उनकी नेतृत्व परिवर्तन की मांग भी बंद हो गई है। अब सचिन पायलट कहने लगे हैं कि पार्टी के सभी लोगों की एकजुटता से ही अगला विधानसभा चुनाव जीता जा सकता है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को मालूम है कि सरकार चाहे कितने ही विकास के कार्य करवायें। जनता हर पांच साल के बाद सत्ता बदल देती है। राजस्थान के लोगों का मानना है कि सत्ता बदलने से प्रदेश में और अधिक तेजी से विकास कार्य होते हैं। अशोक गहलोत ने अपने पांच साल के कार्यकाल में सचिन पायलट को तो मात दे दी है। मगर अब उनके समक्ष विधानसभा चुनाव सबसे बड़ी चुनौती के रूप में खड़े हैं। जहां उन्हें सभी विपक्षी दलों को परास्त कर फिर से सरकार बनानी होगी। गहलोत को पता है कि कांग्रेस में चल रही आपसी गुटबाजी के चलते आम जनता में पार्टी के प्रति अच्छा संदेश नहीं जा रहा है। इसी कमी को पूरा करने के लिए अशोक गहलोत प्रदेश में विकास के मुद्दे पर चुनाव लड़ने जा रहे हैं। गहलोत के सोच की झलक इस बार राजस्थान के आम बजट में भी देखने को मिली है।

गहलोत ने अपने इस कार्यकाल के अंतिम बजट को पूरी तरह आमजन का विकासोन्मुखी बजट बनाया है। बजट में प्रदेश के आम आदमी का पूरा ख्याल रखा गया है। उनके हित की बहुत सारी योजनाएं शुरू करने की घोषणा की गई है। जिसका गहलोत पूरा राजनीतिक लाभ उठायेंगे। गहलोत ने सामाजिक सुरक्षा की दृष्टि से प्रदेश के वृद्ध नागरिकों, विधवा महिलाओं, विकलांगो, अनाथ बच्चों को मिलने वाली मासिक पेंशन राशि में बढ़ोतरी करने की घोषणा कर उन्हें बड़ा आर्थिक संबल प्रदान किया है। जिसका लाभ उन्हें चुनाव में मिलना तय माना जा रहा है। मुख्यमंत्री बनते ही गहलोत ने उक्त सभी लोगों को मिलने वाली पेंशन की राशि में भी बढ़ोतरी की थी।

अपने विकास के एजेंडे के तहत ही मुख्यमंत्री गहलोत ने पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना के निर्माण को एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बना दिया है। इस नहर परियोजना के पूरा होने से पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों के लोगों को पीने का पानी तो मिलेगा ही साथ ही दो लाख 80 हजार हेक्टेयर भूमि पर सिंचाई की सुविधा भी उपलब्ध हो सकेगी। यह परियोजना पूर्वी राजस्थान के लोगों के लिए जीवन-मरण का प्रश्न बनी हुई है। पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान एक जनसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस परियोजना को केंद्रीय प्रोजेक्ट घोषित कर पूरा करवाने की बात कही थी। मगर केंद्र सरकार ने इस परियोजना को आज तक अपने हाथ में नहीं लिया है। इसी मुद्दे को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बड़े जोर शोर से उठा रहे हैं। पूर्वी राजस्थान के झालावाड़, बारां, कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर, अजमेर, टोंक, जयपुर, करौली, अलवर, भरतपुर, दौसा और धौलपुर सहित इन 13 जिलों में राजस्थान की एक तिहाई से अधिक आबादी रहती है। इस नहर परियोजना के पूरा होने से इस क्षेत्र के लोगों की आर्थिक स्थिति तो सुदृढ़ होगी ही साथ ही उन्हें आने वाले लंबे समय तक पीने का पानी भी उपलब्ध हो सकेगा। इन 13 जिलों में विधानसभा की 83 सीट आती है। जिनमें से अभी कांग्रेस के पास 49 और भाजपा के पास 25 सीट है। राजनीतिक रूप से भी इन 13 जिलों में अभी कांग्रेस मजबूत स्थिति में है। मुख्यमंत्री गहलोत इस नहर परियोजना के मुद्दे पर इस क्षेत्र में अपनी पार्टी की पकड़ को और भी मजबूत करने में लगे हुए हैं।

इसीलिए मुख्यमंत्री गहलोत ने इस परियोजना को गति देने के लिए हाल ही में 14 हजार 200 करोड रुपए की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। गहलोत सरकार ने अपने पिछले वर्ष के बजट में भी इस परियोजना के लिए 9 हजार 600 करोड रुपए की स्वीकृति जारी की थी। इस तरह प्रदेश सरकार ने इस परियोजना पर अब तक 23 हजार 800 करोड रुपए की स्वीकृति जारी कर चुकी है। इससे उक्त परियोजना में नवनेरा-गलवा-बीसलपुर-ईसरदा लिंक परियोजना, निर्माणाधीन नवनेरा बैराज एवं ईसरदा बांध, रामगढ़ एवं महलपुर बैराज का निर्माण, नवनेरा बैराज, मेज एनीकट तथा गलवा बांध में पंपिंग और विद्युत स्टेशन स्थापित करने तथा बाढ़ के पानी को संग्रहित करने सहित विभिन्न कार्य पूरे किए जा सकेंगे।

इसके साथ ही बीसलपुर बांध की ऊंचाई आधा मीटर बढ़ाने तथा 202.42 किलोमीटर लंबे जल परिवहन तंत्र को विकसित करने के कार्य भी किए जा सकेंगे। इसके अलावा वर्ष 2040 तक जयपुर, अजमेर, टोंक जिले की अतिरिक्त पेयजल आवश्यकताओं तथा जयपुर जिले के शेष ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 16.82 टीएमसी पेयजल की अतिरिक्त मांग को ध्यान में रखते हुए जल प्रबंधन के कार्य किए जा सकेंगे।

प्रदेश के गरीब लोगों को महंगाई से राहत दिलाने के लिए गहलोत ने इस बार के बजट में 19 हजार करोड़ रुपए के महंगाई राहत पैकेज की घोषणा की है। इसमें उज्जवला योजना में शामिल प्रदेश के 76 लाख परिवारों को 500 रूपये में घरेलू गैस सिलेंडर देने व प्रदेश मे खाद्य सुरक्षा योजना से जुड़े एक करोड़ लोगों को प्रतिमाह मुख्यमंत्री निशुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना शुरू करने की घोषणा की है। जिसके तहत हर पैकेट में 1 किलो दाल, 1 किलो चीनी, 1 किलो नमक, 1 लीटर खाद्य तेल और मसाले उपलब्ध करवाए जाएंगें। जिस पर राज्य सरकार तीन हजार करोड़ खर्च करेगी। गहलोत की यह योजना 2023 में सत्ता वापसी के लिए मददगार साबित हो सकती है।

इसके साथ ही प्रदेश के सभी घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को 100 यूनिट प्रतिमाह व कृषि उपभोक्ताओं को दो हजार यूनिट प्रतिमाह मुफ्त बिजली देने तथा मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना में 25 लाख रुपए तक का निशुल्क उपचार की सुविधा देना शामिल है। प्रदेश में सरकार द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षाओं में युवाओं से अब कोई परीक्षा शुल्क नहीं लिया जाएगा। यह बेरोजगार अभ्यर्थियों को बहुत बड़ी राहत दी गई है। बेरोजगार युवकों के लिए आगामी वर्ष में एक लाख नई भर्तियां करने की घोषणा कर मुख्यमंत्री ने युवाओं को भी लुभाने का काम किया है।

सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना लागू करने की घोषणा तो मुख्यमंत्री का मास्टर स्ट्रोक माना जा रहा है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पुरानी पेंशन योजना को फिर से बहाल करने वाले देश के पहले मुख्यमंत्री है। उनकी घोषणा के बाद कई राज्य सरकारों ने इस योजना को लागू करना करने की घोषणा की है। अब हर राज्य के सरकारी कर्मचारी पुरानी पेंशन योजना लागू करने की मांग कर रहे हैं।

पुरानी पेंशन योजना के मुद्दे पर गहलोत ने भाजपा को राजनीतिक रूप से संकट में डाल दिया है। हाल ही में भाजपा शासित कर्नाटक सरकार ने भी पुरानी पेंशन योजना के अध्ययन के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की एक समिति का गठन किया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपनी हर चाल बहुत सावधानी से चल रहे हैं। उन्हें पता है कि एक तरफ उन्हें भाजपा सहित अन्य विरोधी दलों से मुकाबला करना होगा। वही पार्टी में व्याप्त अंदरूनी गुटबाजी को भी काबू में कर उन्हें चुनाव में कांग्रेस को बहुमत दिलाना होगा। तभी उनका चौथी बार मुख्यमंत्री बनने का सपना पूरा हो पाएगा।

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू
राजस्थान

विकास दर हो रही प्रभावित

वित्त वर्ष 2022-23 की तीसरी तिमाही, अक्टूबर-दिसम्बर में हमारी जीडीपी की विकास दर लुढ़क कर 4.4 फीसदी दर्ज की गई है । पहली तिमाही, अप्रैल-जून में विकास दर 13.2 फीसदी तक उछली थी और दूसरी तिमाही, जुलाई-सितम्बर, में भी 6.3 फीसदी रही थी। उन्हीं के आधार पर अनुमान लगाये गये थे कि मौजूदा वित्त वर्ष के दौरान औसत विकास दर 7 फीसदी के करीब रह सकती है, लेकिन अब उस स्तर को छूना है, तो अन्तिम तिमाही, जनवरी-मार्च में यह दर कमोबेश 5.1 फीसदी होनी चाहिये । लाल संकेत ये हैं कि अर्थशास्त्रियों के आकलन हैं कि अन्तिम तिमाही में विकास दर 4 फीसदी के करीब हो सकती है । इसके मायने ये नहीं हैं कि हमारी अर्थव्यवस्था उबरने के बाद फिर गोता खाने की स्थिति में पहुंच गई है । अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अब भी भारत की विकास दर अमरीका, जर्मनी, फ्रांस, जापान आदि देशों से बहुत बेहतर स्थिति में है। हम चीन के लगभग बराबर ही हैं, लेकिन तीसरी तिमाही के दौरान निजी खपत की मांग, सरकारी व्यय, निर्यात और मैन्यूफैक्चरिंग के क्षेत्र में गिरावट दर्ज की गई है, नतीजतन विकास दर भी प्रभावित हुई है । लोगों की क्रय-शक्ति कम हुई है, तो मांग घटी है। मांग और खपत परस्पर पूरक हैं। मांग कम होगी, तो कारखाने उत्पादन भी कम करेंगे। नतीजतन रोजगार भी प्रभावित होगा। मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में 1.1 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है, जबकि बीते वर्ष इसी तिमाही में यह दर 11.2 फीसदी थी। मैन्यूफैक्चरिंग जीडीपी का बेहद महत्वपूर्ण घटक है, क्योंकि सबसे अधिक रोजगार देने वाले क्षेत्रों में एक है। लोगों की निजी खपत 2.1 फीसदी कम हुई है, तो सरकारी उपभोग व्यय भी 1.0 फीसदी घटा है और नेट निर्यात भी 6.7 फीसदी कम किया गया है। राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग की रपट है कि औसत महंगाई दर 7.2 फीसदी है, जो तय लक्ष्य से ज्यादा है। जुलाई-सितम्बर की तिमाही में महंगाई दर 6.3 फीसदी उपभोक्ता को सीधे प्रभावित करने वाली महंगाई को इस तरह समझा जा सकता है कि रसोई गैस के दाम 50 रुपये प्रति सिलेन्डर बढ़ा दिये गये हैं। अब राजधानी दिल्ली में यह सिलेन्डर 1103 रुपये में मिलेगा, जबकि अन्य महानगरों में ज्यादा महंगा कर दिया गया है। कमर्शियल सिलेंडर भी 350 रुपये महंगा किया गया है। अनाज की कीमतें 15 फीसदी तक बढ़ी हैं, जबकि आटा 40 फीसदी महंगा हो गया है। दूध भी कई गुना महंगा हुआ है। इसका सम्पूर्ण विश्लेषण हम पहले ही कर चुके हैं। अब आसार ऐसे हैं कि कमोबेश इस साल खाने-पीने की महंगाई से कोई भी राहत मिलने वाली नहीं है। बेशक हम विश्व में सबसे तेज उभरने वाली अर्थव्यवस्था है, लेकिन जी-20 समूह के देशों में हम सबसे गरीब देश हैं, क्योंकि हम निम्न मध्य वर्ग की अर्थव्यवस्था हैं। भारत आने वाले वर्षों में जर्मनी और जापान सरीखे देशों को पीछे कर तीसरे स्थान की अर्थव्यवस्था भी बन सकता है, लेकिन हमारी अर्थव्यवस्था और आर्थिक असमानताओं के कारण हमारी विकास दर भी प्रभावित होती रहेगी ।

अजय दीक्षित

स्कूल-कॉलेज की परीक्षाओं की तैयारी के संदर्भ में माता पिता तथा अभिभावकों की भूमिका

किसी देश की आर्थिक, समाजिक, राजनैतिक एवं अध्यात्मिक प्रगति के लिए शिक्षा का यह काफी महत्व होता है! पुराने समय में पढ़ाई लिखाई का काम मंदिर, मस्जिद गुरुद्वारे आदि करते थे! वहां पढ़ाई लिखाई के साथ नैतिक शिक्षा पर भी जोर दिया जाता था! धीरे-धीरे पढ़ाई लिखाई का संबंध

नौकरी से जुड़ने लगा! क्योंकि अधिकांश माता पिता पढ़े लिखे तो होते नहीं थे, इसलिए वह दिली तौर पर चाहते थे कि उनके बच्चे तालीम अर्थात शिक्षा प्राप्त करें। धीरे-धीरे सरकारी स्कूल खुलने लगे और बच्चों को माता पिता तथा उनके अभिभावक पढ़ने के लिए भेजने लगे। क्योंकि अधिकांश माता-पिता पढ़े-लिखे नहीं होते थे इसलिए पढ़ाई लिखाई में उनकी मदद तो वह कर नहीं सकते थे बस इस बात का ध्यान रखा जाता था कि उनके बच्चे स्कूल जाएं, जो पाठ याद करने के लिए या जो काम लिखकर लाने के लिए स्कूल वालों ने कहा है उस काम को करके जाएं। मेरे अपने घर वाले पढ़े लिखे तो नहीं थे लेकिन फिर भी मेरी पढ़ाई पर नजर रखते थे, रोज पूछते थे कि आज क्या पढ़ाया गया। इस तरह मेरे ऊपर नजर रख कर मेरे घर वालों ने मेरी पढ़ाई में दिलचस्पी को आगे बढ़ाया। लेकिन आजकल स्थिति में प्रशंसनीय परिवर्तन हो गया है। 1951 में हमारे देश में केवल 18त्न लोग पढ़े लिखे थे जबकि आजकल हमारे देश में 84.7 प्रतिशत लोग पढ़े लिखे हैं जिनमे। 70.3 प्रतिशत महिलाएं पढ़ी लिखी। समय में परिवर्तन के साथ-साथ आजकल खूब सरकारी, प्राइवेट स्कूल, कॉलेज तथा यूनिवर्सिटी ना केवल खुलने लगी हैं और बच्चों के माता-पिता तथा बच्चों में शिक्षा को लेकर खूब प्रतिस्पर्धा होने लगी है। भारत के कुछ विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए विदेशों में भी जाने लगे। अब सवाल यह पैदा होता है कि परीक्षाओं की तैयारी में माता पिता तथा अभिभावकों की क्या भूमिका होनी चाहिए। क्योंकि अब अधिकांश माता पिता भी पढ़े-लिखे देखने को मिलते हैं, इसलिए शिक्षा ग्रहण करते समय अपने बच्चों की परीक्षा में तैयारी में उनकी काफी मदद वो लोग कर सकते हैं। अगर माता-पिता ने वही विषय पढ़ रखे हैं जोकि उनके बच्चों ने लिए हुए हैं उसमें उनका वह लोग मार्गदर्शन कर सकते हैं। माता पिता को परीक्षाओं से काफी समय पहले अपने बच्चों को इसके लिए प्रेरित करना पड़ेगा, यह भी देखना पड़ेगा कि उनके बच्चे पढ़ाई में कोई कठिनाई तो महसूस नहीं कर रहे, उनको किसी पुस्तक की आवश्यकता तो नहीं, क्या उन्हें किसी प्रकार की प्राइवेट कोचिंग की जरूरत तो नहीं। अगर है, तो जिस कोचिंग सेंटर में उनके बच्चे जाते हैं वहां सचमुच पढ़ाने वाले योग्य, अनुभवी तथा समर्पित भावना वाले हैं। इस बात का भी ध्यान रखना पड़ेगा कि कहीं उनके बच्चे प्राइवेट कोचिंग में जाने के नाम पर पथभ्रष्ट तो नहीं हो जाते। उनके द्वारा उन पर खर्च किए जाने वाला पैसा बर्बाद तो नहीं जा रहा। इस बात को जरूर ध्यान में रखना चाहिए कि माता पिता तथा अभिभावक परीक्षाओं में अपने बच्चों को उनकी योग्यता को ध्यान में रख कर ही परिणाम की अपेक्षा रखें। अब यह बात तो स्पष्ट है कि हर विद्यार्थी कक्षा में टॉप तो नहीं कर सकता, लेकिन हां, अपनी तरफ से अधिक से अधिक अंक प्राप्त करने की कोशिश कर सकता है। परीक्षाओं की तैयारी करवाते समय माता पिता तथा विद्यार्थियों को आवश्यकता से अधिक महत्वकांक्षी नहीं होना चाहिए क्योंकि दुर्भाग्यवश अगर परिणाम आशा अनुकूल नहीं आते तो माता पिता तथा बच्चों में मातम की भावना घर कर जाती है और कुछ मामलों में बच्चे आत्महत्या करने तक को मजबूर हो जाते हैं। हमारे लिए बच्चों की परीक्षा में उनको अधिक से अधिक सुविधाएं देकर तैयारी करवाना जरूरी है, ना कि टॉप करना। अगर आशा अनुकूल सफलता नहीं मिली, तो कोई बात नहीं। कहा भी जाता है कि.... फेल्र आर पीलर्स ऑफ सक्सेस आपको किंग ब्रूस एंड द स्पाईडर की कहानी तो अच्छी तरह याद होगी! अगर मनोवांछित परीक्षा फल नहीं आया तो कोई बात नहीं, माता-पिता को चाहिए कि ना सिर्फ अपना बल्कि अपने बच्चों का मनोबल बढ़ाकर अगली बार परीक्षा के मैदान मैं नए जोश, उम्मीद और सफलता को लेकर तैयारी करें! माता पिता का प्रथम प्रयास होना चाहिए कि अपने बच्चों को किसी भी स्तर पर नकल करने से रोकें। नकल से तात्कालिक सफलता तो मिल सकती है परंतु ज्ञान नहीं मिल सकता! परीक्षा का मतलब अच्छे नंबरों वाले केवल सर्टिफिकेट को प्राप्त करना ही नहीं होना चाहिए बल्कि अच्छे ज्ञान को प्राप्त करने वाला भी होना चाहिए! परीक्षा पास करने के बाद जहां भी आदमी काम करेगा वहां नंबर काम नहीं आएंगे बल्कि ज्ञान और अनुभव ही काम आएगा! यह बात माता पिता तथा अभिभावक अपने बच्चों को अच्छी तरह समझा दे! अतः मेरा मानना है कि माता-पिता तथा अभिभावक अपने बच्चों की परीक्षा की तैयारी में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं!

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक
हरियाणा

युवाशक्ति के दोहे

युवाशक्ति को है नमन
जो रचती इतिहास।
हो हिमगिरि-सा दृढ़ युवा,
ऊँचा ज्यों आकाश।।
युवा उठे तो हो सृजन,
विचले तो विध्वंस।
युवा विवेकानंद है,
है मानस का हंस।।
तूफ़ानों को जीतकर,
ला दे नवल विहान।
युवा सदा गतिशील है,
है वह मंगलगान।
भगतसिंह,सुखदेव है,
युवा लगे आज़ाद।
हर बाधा से लड़ करे,
युवा वतन आबाद।।
युवा जोश का नाम है,
रखता नित विश्वास।
पराभूत नहिं हो युवा,
अंतस रक्खे आस।।
युवा बदल दे देश का,
सारा ही भूगोल।
युवा दिव्यता ले चले,
रखे कर्म के बोल।।
युवा पुष्प-सा खिल करे,
सृजित नवल मधुमास।
युवा-हृदय की चेतना,
करे अमंगल नाश।।
रहे अग्रसर नित्य ही,
किंचित नहीं विराम।
युवा हक़ीक़त है मधुर,
है व्यापक अभिराम।।
गौरवमय है हर युवा,
रखता वंदन-योग।
पर उसके सामर्थ्य को,
मिले न कोई रोग।।
लेकर के संकल्प नव,
युवा करे उत्थान।
युवा देश का मान है,
युवा देश की शान।।

प्रो(डॉ)शरद नारायण खरे
मंडला
मध्यप्रदेश

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

ट्रैफिक सेफ्टी को लेकर निगम की कार्रवाई शुरू, 8 दुकानों को किया गया सील

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 15 मार्च 2023
(घटती-घटना)।

शहर में पार्किंग की समस्या को देखते हुए नगर निगम की टीम ने कार्रवाई शुरू कर दी है। निगम आयुक्त प्रतिष्टा ममगई के निर्देश पर निगम अमला ने सोमवार को अभियान चलाकर बड़े पैमाने पर कार्रवाई की है। दोपहर में निगम द्वारा सबसे पहले पीजी कालेज के सामने संचालित अमृत तुल्य दुकान को सील किया। इसके बाद धंजल इलेक्ट्रानिक रिंग रोड, नारायण स्टोर देवीगंज रोड व फिर गुदरी स्थित मिश्रा स्वीट्स को सील कर दिया। कार्रवाई के दौरान गुदरी चौक पर कुछ विवाद भी हुआ जिसे पुलिस द्वारा संभाल लिया गया। कार्रवाई के दौरान तहसीलदार के साथ निगम अमला व भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद थे बताया जा रहा है कि निगम द्वारा शहर के मुख्य मार्गों के किनारे संचालित 23 दुकानों को कार्रवाई के लिये नोटिस दिया गया है। वहीं दुकान के सामने सड़क पर सलैब ढाल कर किए गए तिक्रमण को जेसीबी से खोदाइ कर अतिक्रमण मुक्त कराया गया है। निगर निगम की इस कार्रवाई से शहर के व्यापारियों में हड़कंप है। वहीं नगर निगम द्वारा किए गए इस कार्रवाई से शहर के लोगों काफी खुश हैं और निगम टीम को प्रशंसा कर रहे हैं। शहर के कई ऐसे दुकानदार हैं जो भवन पूर्णता प्रमाण पत्र भी नगर निगम से नहीं लिया है। ये नियम विरूद्ध दुकान का संचालन कर रहे हैं। नगर निगम द्वारा पूर्व में ऐसे दुकानदारों को चिन्हांकित कर नोटिस दिया गया था। पर इनके द्वारा कोई ठोस जवाब व पहल नहीं किए जाने पर नगर निगम द्वारा कार्रवाई शुरू की गई है। निगम आयुक्त प्रतिष्टा ममगई ने बताया कि ट्रैफिक सेफ्टी के लिए नगर निगम की ओर से कार्रवाई की जा रही है। कई दुकानों के सामने सड़क पर वाहन खड़े किए जाते थे। वहीं कई दुकान बिना भवन पूर्णता प्रमाण पत्र के संचालित किए जा रहे थे। ऐसे दुकानों पर कार्रवाई की जा रही है। यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगा।

आईजी ने रेंज स्तरीय पुलिस अधीक्षकों एवं राजपत्रित अधिकारियों की अपराध समीक्षा हेतु ली वर्चुअल मीटिंग

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 15 मार्च 2023
(घटती-घटना)।

पुलिस मुख्यालय रायपुर द्वारा जारी निर्देश के परिपालन में 15 मार्च को आईजी राम गोपाल गर्ग द्वारा सरगुजा रेंज के जिलों के पुलिस अधीक्षकों एवं राजपत्रित अधिकारियों की वर्चुअल मीटिंग ली गई। मीटिंग के दौरान पुलिस आईजी द्वारा जिलों की अपराध एवं कानून-व्यवस्था की समीक्षा करते हुए विभिन्न बिन्दुओं पर त्वरित कार्रवाई हेतु निर्देश दिए गए। उन्होंने सभी अधिकारियों को आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु सीआरपीसी के प्रावधानों तथा न्यायालयों के दिशा निर्देशों की पालना करने हेतु कहा। साथ ही सभी राजपत्रित अधिकारियों को थानों के मालखाना निरीक्षण कर जप्ति माल का विधिवत निराकरण करने हेतु भी कहा। सभी अधिकारियों को लंबित अपराधों को समयावधि निर्धारित कर विधिवत निराकरण करने पर चर्चा की गई। जिलों में लंबित सभी पुराने गंभीर प्रकरणों विशेषकर- हत्या, हत्या का प्रयास, बलात्कार, अपहरण एवं महिला व बच्चों संबंधी अपराध के प्रकरणों के निराकरण की ओर विशेष ध्यान दिये जाने पर जोर दिया गया। आईजी द्वारा जिलों के थाना, चौकी में लंबित महिला एवं बच्चों से संबंधित अपराधों में सतत विवेचना कराते हुए 60 दिवस के भीतर निराकरण कराने एवं अपराधों का 60 दिवस की समयावधि के भीतर निराकरण नहीं होने पर संबंधित विवेचक की जिम्मेदारी तय करते हुए नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई करने पर चर्चा की। इसी प्रकार लंबित मर्ग जांच के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए प्रकरणों के त्वरित निराकरण के संबंध में निर्देशित किया गया।

वर्चुअल मीटिंग के दौरान जिलों के पुलिस अधीक्षक सहित राजपत्रित अधिकारी जुड़े रहे। समीक्षा बैठक में आईजी ने कोरिया जिला में 2022 तथा उसके पूर्व के लंबित 44 अपराधों की सूक्ष्म समीक्षा कर उनको यथाशीघ्र निराकृत करने हेतु पुलिस अधीक्षक कोरिया त्रिलोक बंसल को आदेशित किया। साथ ही उन्होंने जिला कोरिया के पुराने 420 एवं हत्या के प्रकरणों तथा जमीन संबंधी मामलों में की गई धोखाधड़ी के आरोपियों के शीघ्र गिरफ्तारी कर प्रकरण की विवेचना पूर्ण कर न्यायालय पेश करने पर भी ज़ोर दिया तथा चिन्हित प्रकरणों को समयावधि में निराकरण हेतु निर्देश दिए।

सुधा देवी जसगीत का आयोजन 26 मार्च को

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 15 मार्च 2023
(घटती-घटना)।

वसुधा महिला मंच द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 26 मार्च को जस गीत का आयोजन गांधी चौक स्थित दुर्गा मंदिर में 3 से 6 बजे तक किया जाएगा। इसे लेकर बुधवार को वसुधा महिला मंच की बैठक डाक्टर पुष्पा सोनी संरक्षिका की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। 24 मार्च को प्रतिभागी समूह अपना नाम वसुधा सदसयों को दे सकती हैं। 26 को भजन समूह का नाम कार्यक्रम स्थल पर नहीं लिया जाएगा। वसुधा शुद्ध लेख में विजेता सदस्यों को वरिष्ठ सदस्यों ने समानित किया। प्रथम सरिता सिह, तनुश्री मिश्रा, जयश्री स्वर्णकार रहीं। द्वितीय,हिना परवीन, सरिता भाटिया, रेखा इंगोले रहीं। तृतीय पुरस्कार मीनाक्षी अग्रवाल, और ज्योति दिवेदी को दिया गया। वसुधा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी एक बहन को वसुधा सम्मान, 26 मार्च को देगी। देवी जस गीत के आयोजन की जिम्मेदारी कुछ सदसयों को दी गई, बैठक में संयोजिका वन्दना दत्ता, जया तिवारी, बलविन्दर टुटेजा, रीता अग्रवल, जानकी सिह , च्यती अग्रवल, अनुभा डबराल, वन्दना सिह, शैल अग्रवल, नीलू गुप्ता, नमिता चावला, श्रद्धा खेरपाण्डे , आभा सिह, लीला बंसल नेहा वर्मा उपस्थित थी, कार्यक्रम के अंत मे सभी सदसयो ने अपनी वरिष्ठ सदस्य श्रीमती डॉली भल्ला को अश्रुपूरित विनम्र श्रधांजलि अर्पित की, संरक्षिका डाक्टर पुस्पा सोनी जी ने उनके सरल सहज और सेवा भाव को स्मरण किया, स्व, डॉली भल्ला विगत 25 वर्षों से देवी जसगीत में भक्तों को शीतल शर्बत देती थी, हर वर्ष वसुधा के तरफ से ये सेवा निरन्तर जारी रहेगी।

सीएएफ जवान ने पत्नी की हत्या कर नदी में दफन की लाश, एक महीने पहले ही हुआ था कोर्ट मैरिज

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 15 मार्च 2023
(घटती-घटना)।

मैनपाट के सुपलगा स्थित मछ्ली नदी में बुधवार की दोपहर एक युवती की लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर उसकी पहचान की। युवती की हत्या कर शव नदी में दफनाया गया था। बताया जा रहा है कि युवती से एक महीने पहले ही सीएएफ के जवान ने प्रेम विवाह किया था। 2 मार्च को उसने ही उसकी गला घोंटकर हत्या की और शव को दफन कर दिया था। हत्या के 4 दिन बाद उसने खुद थाने में पत्नी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस सीएएफ जवान की पत्नी की खोजबीन में जुटी थी। पुलिस ने आरोपी सीएएफ जवान को गिरफ्तार कर लिया है।

गौरतलब है कि सरगुजा जिले के दरिमा थाना अंतर्गत ग्राम नवानगर निवासी युवती दिव्या गुलाब कुजूर 25 वर्ष का मैनपाट के ग्राम सुपलगा निवासी सीएएफ जवान मनीष तिर्की के साथ 3 साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। सीएएफ जवान सुकमा में पदस्थ है। करीब महीनेभर पूर्व दोनों ने कोर्ट में जाकर विवाह किया था। इसी बीच 2 मार्च से अचानक युवती गायब हो गई। 6 मार्च को

सीएएफ जवान ने कमलेश्वरपुर थाने में पत्नी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई और सुकमा चला गया था। पुलिस मामले की जांच में जुटी थी। इसी बीच बुधवार की दोपहर ग्राम सुपलगा स्थित मछ्ली नदी की खोह में ग्रामीणों ने युवती की लाश का कुछ हिस्सा देखकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाया। शव की पहचान गुम युवती दिव्या गुलाब कुजूर के रूप में हुई। पुलिस ने पत्नी की हत्या के मामले में आरोपी सीएएफ जवान को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने अब तक यह नहीं बताया है कि उसे कहां गिरफ्तार किया है। वहीं अब तक यह भी पता नहीं चल सका है कि आरोपी ने पत्नी की हत्या क्यों की थी। पुलिस हत्या का खुलासा कल करेगी।

छत्तीसगढ़ मध्यान्ह भोजन रसोईया कल्याण संघ ने किया प्रदर्शन

- संवाददाता -
सूरजपुर, 15 मार्च 2023
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ मध्यान्ह भोजन रसोईया कल्याण संघ एवं बिहान योजना से जुड़े कामगारों ने बुधवार को अलग-अलग विरोध प्रदर्शन करते हुए जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। बिहान योजना से जुड़े कामगारों ने सात सूत्रीय मांग पूरी नहीं होने पर 16 मार्च से तीन दिवसीय काम बंद आंदोलन की चेतावनी भी दी है।

मध्यान्ह भोजन कार्य में लगे रसोइयों का मानदेय दस हजार रुपये करने सहित 4 सूत्री मांगों को लेकर छत्तीसगढ़ मध्यान्ह भोजन रसोईया कल्याण संघ ने रंगमंच मैदान में धरना प्रदर्शन कर राज्य सरकार के खिलाफ जमकर हल्ला बोला। वक्ताओं ने कहा कि राज्य सरकार हमारी मांगों को अनदेखा कर रही है। मांग पूरी नहीं होने पर हमें आंदोलन करने को मजबूर होना पड़ेगा। इस दौरान संघ के कार्यकर्ताओं ने रैली निकालकर राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए जिला संयुक्त कार्यालय पहुंचकर जिला प्रशासन को प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

संघ की मांग की मध्यान्ह भोजन में लगे कामगारों को कम से कम प्रतिमाह दस हजार रुपये की मानदेय राशि का भुगतान किया जाए। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ के रसोइयों को वर्दी दी जाए। समस्त रसोइयों को पूरे 12 माह का मानदेय दिया जाए तथा स्कूलों में कार्यरत रसोइयों का पद स्कूल शिक्षा विभाग में करते हुए नियमित नियुक्ति प्रदान की जाए।

बिहान योजना के कामगारों ने भी दिया अल्टीमेटम,,,,

इधर बिहान योजना से जुड़े कामगारों ने 7 सूत्रीय मांगों को लेकर जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने चेतावनी भी दी कि यदि उनकी मांगों को पूरा नहीं किया गया तो वे 16 मार्च से तीन दिवसीय काम बंद आंदोलन कर आंदोलन का शंखनाद करेंगे। उसके बाद भी मांग पूरी नहीं होने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल करेंगे। उनकी मांग में एफएलसीआरपी राशि पांच हजार रुपये से बढाकर 12 हजार रुपये करते हुए तीन हजार रुपये यात्रा भत्ता निर्धारित करने समय 7 सूत्रीय मांगे शामिल है।

चोरी की तीन बाइक के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 15 मार्च 2023
(घटती-घटना)।

चोर की तीन बाइक के साथ कोतवाली पुलिस ने आदतन चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार गांधीनगर थाना क्षेत्र खलिबा निवासी बलवंत सोनहा की बाइक 21 फरवरी को न्यायालय परिसर से चोरी हो गई थी। वह मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराया था। पुलिस अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांच कर रही थी। कोतवाली प्रभारी रूपेश नारंग को मुखबिर से जानकारी मिली की शहर के संजय पार्क निवासी विकास प्रजापति अपने घर में चोरी की बाइक रखा है और बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा है। सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर विकास प्रजापति को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो वह न्यायालय परिसर, भगवानपुर साई रेसीडेसी कालोनी, कंपनी बाजार स्थित सुलभ शौचालय के पास से बाइक चोरी कर अपने घर में रखा है। पुलिस ने इसके कब्जे से कुल तीन नग चोरी की बाइक जब्त किया है। पुलिस ने बताया के आरोपी आदतन है। वह पूर्व में भी बाइक चोरी के मामले में जेल जा चुका है। पुलिस ने आरोपी विकास प्रजापति के खिलाफ अपराध दर्ज कर जेल दाखिल कर दिया है।सम्पूर्ण कार्रवाई में सहायक उप निरीक्षक विवेक पाण्डेय, आरक्षक जयदीप सिंह, सत्येंद्र दुबे, रुपेश महंत, शामिल रहे।

सैनिक स्कूल में प्रवेश हेतु विकासखंड के 3 छात्र हुए चयनित

» बीईओ ने सफलता प्राप्त करने वाले 3 छात्रों को दी बधाई

- संवाददाता -
सूरजपुर, 15 मार्च 2023
(घटती-घटना)।

सरगुजा कलेक्टर कुंदन कुमार के निर्देशानुसार खंड शिक्षा अधिकारी सूरज प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में लखनपुर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विकासखंड के प्रतिभावान बच्चों कोचिंग के माध्यम से तैयारियां कराई जा रही थी। सैनिक स्कूल के कक्षा छठवीं का कक्षा नवमी में प्रवेश हेतु लिखित परीक्षा में विकासखंड के तीन छात्रों ने सफलता प्राप्त की खंड शिक्षा कार्यालय में 15 मार्च दिन बुधवार को तीनों छात्रों सहित कोचिंग दे रहे शिक्षकों को खंड शिक्षा अधिकारी सूरज प्रताप सिंह सहित अन्य अधिकारियों के द्वारा बधाई दी गई। प्राप्त जानकारी के मुताबिक सरगुजा कलेक्टर कुंदन कुमार के निर्देशानुसार विकास खंड शिक्षा अधिकारी सूरज प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में 18 नवंबर 2022 से शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लखनपुर में विकासखंड स्तरीय कोचिंग सेंटर स्थापित कर विकास खंड के प्रतिभावान बच्चों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा सैनिक स्कूल, नवोदय विद्यालय, प्रयास एवं एकलव्य इत्यादि में बेहतर प्रदर्शन व चयन हेतु विशेष कोचिंग कराया जा रहा था। कोचिंग सेंटर में कुल चार शिक्षक नीरज सिंह, लोकनाथ यादव, उमेश कुमार वर्मा ,अरुण यादव द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराया जा रहा था। इन सभी शिक्षकों के विशेष योगदान व मॉनिटरिंग अमरेश सिन्हा के साथ मार्गदर्शन में कोचिंग सेंटर से अध्यन कर रहे छात्र सिद्धार्थ सिंह सीबीएसई माध्यमिक शाला लखनपुर अनामिका सिंह एवं आयुषवीर तिर्की प्राथमिक शाला सीबीएसई लखनपुर ने सैनिक स्कूल के कक्षा छठवीं तथा कक्षा नवमी में प्रवेश हेतु लिखित परीक्षा में सफलता प्राप्त की। तथा अन्य बच्चों को आगामी प्रतियोगी परीक्षा नवोदय विद्यालय, प्रयास ,एकलव्य आदि के लिए चयन हेतु कोचिंग सेंटर में निरंतर तैयारी कराया जा रहा है। 15 मार्च दिन बुधवार को विकास खंड शिक्षा कार्यालय में विकास खंड शिक्षा अधिकारी सूरज प्रताप सिंह,मंडल संयोजक अरविंद गुप्ता सहित अन्य अधिकारियों के द्वारा सैनिक स्कूल के कक्षा छठवीं व कक्षा नवमी में प्रवेश हेतु प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले 3 छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस दौरान कोचिंग सेंटर के शिक्षक सहित खंड शिक्षा कार्यालय के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रदेश स्तरीय आंदोलन के लिए जिला शाखा सूरजपुर में बैठक संपन्न

» 18 तारीख को होने वाले आंदोलन हेतु बनी रणनीति

» किक बॉक्सिंग खिलाड़ी को किया गया सम्मानित

- संवाददाता -
सूरजपुर, 15 मार्च 2023
(घटती-घटना)।

स्थानीय सर्किट हाउस में जिला संयोजक छत्तीसगढ़ अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन सूरजपुर के नवनियुक्त संयोजक श्री चंद्रबेस सिंह सिसोदिया की अध्यक्षता में बैठक हुआ ।जिसमें केंद्र के समान महंगाई भत्ता गृह ,भाड़ा भत्ता , चार स्तरीय पदोन्नत वेतनमान लिपिक वर्गीय स्वास्थ्य महिला बाल विकास तकनीकी एवं अन्य संवर्ग के विभिन्न मांगो को लेकर के 18 तारीख को होने वाले आंदोलन में शामिल होने हेतु रणनीति एवं सहमति जताई गई।

इस दौरान बैठक में एसडीएम रवि सिंह ,जिला अध्यक्ष निपेंद्र सिंह राजपत्रित अधिकारी संघ, विश्वनाथ रेड्डी ,संदीप भगत, अजीत एक्का,संदीप गुप्ता स्वास्थ्य कर्मचारी संघ, मनीष दीपक साहू छत्तीसगढ़ तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ ,दीपा बैरागी प्रवेक्षक संघ, विजय साहू सहायक शिक्षक समग्र फेडरेशन, रमेश राजवाड़े वाहन चालक संघ प्रतिमा सिंह ब्लॉक अध्यक्ष छत्तीसगढ़ तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ , नंदलाल सिंह सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी संघ ,देवकरण सिंह छत्तीसगढ़ कर्मचारी संघ ,आदेश कुमार रवि चतुर्थ कर्मचारी संघ ,गणेश प्रसाद छत्तीसगढ़ संविदा कर्मचारी संघ, भारती पटेल ,नंदकिशोर कुशवाहा ,अजय अग्रवाल, प्रवीण ठाकुर ,संजय साहू ,बृजेश तिवारी, राजकुमार सिंह ब्लॉक संयोजक एवं अन्य सदस्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

किक बॉक्सिंग खिलाड़ी को किया गया सम्मानित

इस दौरान छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने जिला सूरजपुर के प्रतिभाशाली खिलाड़ी निगिता यादव जो कन्याकुमारी में आयोजित किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल प्राप्त की थी फेडरेशन के द्वारा सम्मानित किया गया एवं बेहतर खेल प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दिए।

पंजाब प्रांत में चुनाव टलवाने के लिए सौ बहाने बना रही है शहबाज शरीफ सरकार

इस्लामाबाद ,15 मार्च 2023। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी पर लाहौर में जारी घमासान के बीच खबर है कि पाकिस्तान सरकार ने पंजाब प्रांत की प्रांतीय असेंबली का चुनाव टलवाने की चाल चल दी है। अब सेना ने कहा है कि चुनाव ड्यूटी के लिए वह अपने जवान की सेवा उपलब्ध नहीं करवा पाएगी। रक्षा सचिव लेफ्टिनेंट जनरल हमुद-उल-जमां ने इस बारे में निर्वाचन आयोग को सूचित किया है।

पंजाब में इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) समर्थित सरकार थी। देश में जल्द आम चुनाव कराने के लिए दबाव बनाने की रणनीति के तहत पीटीआई ने वहां असेंबली भंग करवा ली थी। पाकिस्तान के संविधान के मुताबिक असेंबली भंग होने के बाद 90 दिन के अंदर चुनाव कराना अनिवार्य है। लेकिन निर्वाचन आयोग ने इसमें टाल-मटोल करने की कोशिश की थी। तब सुप्रीम कोर्ट ने अपनी पहल पर दखल दिया और संविधान के प्रावधान के अनुरूप चुनाव कराने का आदेश दिया। उसके बाद मतदान के लिए 30 अप्रैल की तारीख की घोषणा हुई।

लेकिन अब शहबाज शरीफ सरकार सुरक्षा व्यवस्था का सवाल उठा कर चुनाव के रास्ते में रोड़े अटका रही है। चुनाव की तैयारी के लिए निर्वाचन आयोग ने बैठक बुलाई थी। उसमें रक्षा सचिव ने मतदान ड्यूटी के लिए सेना की सेवा देने में समर्थता जता दी। इसके पहले आयोग पंजाब में कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के लिए ने एक अलग बैठक भी की थी। उसमें पंजाब के पुलिस आईजी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि मौजूदा हालात के बीच प्रांत में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि पुलिस पूरी सुरक्षा की गारंटी देने में असमर्थ है। इसके बाद आयोग ने सेना की मदद लेने का प्रस्ताव किया था।

पंजाब के आईजीपी ने कहा कि रमजान के महीने में पुलिसकर्मियों की तैनाती मस्जिदों और अन्य धार्मिक स्थलों पर की जाएगी। इसलिए आयोग को मतदान की सुरक्षा के लिए वैकल्पिक उपाय करने चाहिए। उधर पंजाब के चीफ सेक्रेटरी ने सूचना दी है कि प्रांत के 40 हजार शिक्षक जनगणना की ड्यूटी पर हैं। साथ ही उन्हें अप्रैल में होने वाली परीक्षाओं का संचालन भी करना है। उधर गेहूं की खरीदारी का मौसम होने के कारण सरकारी कर्मचारियों की सेवा इस काम में भी ली जाएगी।

पर्यवेक्षकों के मुताबिक सरकार ने आयोग के सामने दिक्कतों की इतनी लंबी फेहरिस्त रख दी है कि अब आयोग के लिए मतदान कार्यक्रम पर आगे बढ़ना मुश्किल हो गया है। इसके पहले यह आरोप भी रहा है कि आयोग शहबाज शरीफ सरकार के इशारे पर काम कर रहा है। विश्लेषकों का कहना है कि पाकिस्तान में सत्ताधारी गठबंधन में शामिल पार्टियां बेहद अलोकप्रिय हो चुकी हैं। ऐसे में पीटीआई की भारी जीत तय मानी जा रही है। इसीलिए अब सरकार चुनाव टलवाने में जुट गई है। अपने समर्थकों में इमरान खान की लोकप्रियता का नजारा मंगलवार को भी देखने को मिला, जब उन्हें गिरफ्तार करने लाहौर आई पुलिस को समर्थकों की बड़ी भीड़ का सामना करना पड़ा। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने ताकत का इस्तेमाल किया। टकराव के कारण जमान पार्क स्थित इमरान खान के निवास के आसपास युद्ध क्षेत्र जैसा नजारा बन गया। इमरान खान ने अपने घर के अंदर से एक वीडियो जारी कर अपने समर्थकों से कहा है कि उनके जेल जाने या उनकी जान चली जाने की स्थिति में भी वे 'चोरों की मौजूदा सरकार' से देश को आजाद कराने का आंदोलन जारी रखें।

आर्थिक संकट झेल रहे पाकिस्तान के मंत्री ठाठ में,वापस नहीं कर रहे लग्जरी कारें

इस्लामाबाद ,15 मार्च 2023। पाकिस्तान भले ही आर्थिक तंगी के चलते गर्त में जा रहा हो, लेकिन पाक मंत्रियों को इससे कोई मतलब नहीं है। वहीं शहबाज शरीफ ने सुधारों के लिए कई कदम उठाए हैं, इसी के तहत मंत्रियों से भी सरकारी गाड़ी वापस करने का आदेश दिया था। पाकिस्तान में सभी संघीय मंत्रियों और सरकारी कार्यालयों को व्यय में 15 फीसदी की कमी करने और वेतन, भत्ते, लक्जरी कारों, विदेश यात्राओं और बिजनेस क्लास यात्रा को छोड़ने का निर्देश दिया गया था।

देश की हालात खराब फिर भी कर रहे लग्जरी कारों की सवारी

एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है सरकार ने कैबिनेट सदस्यों और अन्य अधिकारियों को आदेश दिए थे कि जल्द लग्जरी वाहनों को लौटा दिया जाए। लेकिन अभी तक आधे से अधिक ने वाहनों को वापस नहीं किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि फरवरी में मितव्ययिता अभियान की घोषणा के बावजूद कई वरिष्ठ अधिकारी अभी भी एसयूवी और सेडान कारों का उपयोग कर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान के वित्त मंत्री इशाक डार की अध्यक्षता बैठक हुई थी। इस बैठक में बताया गया कि 30 लग्जरी वाहनों में से 14 को कैबिनेट सदस्यों ने वापस कर दिया था, लेकिन 16 अभी भी उपयोग में हैं। बैठक के बाद कैबिनेट डिवीजन को तीन दिन के भीतर लग्जरी कारों को वापस लेने का निर्देश दिया गया। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, सुरक्षा वाहनों के उपयोग को वापस लेने पर भी विचार-विमर्श किया गया।

आईएमएफ से धनराशि मिलनी जरूरी

पाकिस्तान के हालात इस तरह से खराब हैं कि आईएमएफ ने भी उसे कर्ज देने से इनकार कर दिया है। वहीं अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से 1.1 बिलियन अमरीकी डालर की धनराशि का इंतजार कर रहा है। फंड 2019 में आईएमएफ द्वारा स्वीकृत 6.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर के बेलआउट पैकेज का हिस्सा हैं। बिश्लेषकों का कहना है कि पाकिस्तान को बाहरी ऋण दायित्वों की चूक से बचने के लिए यह धनराशि मिलनी जरूरी है।

नेपाल में प्रधानमंत्री दहल के 'सोशलिस्ट फ्रंट' बनाने के दांव पर गर्म हुईं अटकलें

काठमांडो,15 मार्च 2023। प्रधानमंत्री और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओइस्ट सेंटर) के अध्यक्ष पुष्प कमल दहल के 'सोशलिस्ट फ्रंट' बनाने के दांव ने नेपाल की सियासत में अटकलों का नया दौर शुरू कर दिया है। दहल ढाई महीने के अंदर दो बार पाला बदल चुके हैं। अब देश की कम्युनिस्ट ताकतों को एकजुट करने के उनके एलान मौजूदा सत्ताधारी गठबंधन में शामिल गैर कम्युनिस्ट पार्टियों में संशय पैदा कर दिया है।

दहल ने कहा है कि कम्युनिस्ट एकता की शुरुआत 'सोशलिस्ट फ्रंट' के गठन के साथ की जाएगी, ताकि तमाम समाजवादी शक्तियों में सामान्य समझ बनाई जा सके। उसके बाद इस प्रयास को 'तार्किक परिणति' तक ले जाया जाएगा। दहल ने बीते सप्ताहांत अपनी पार्टी की एक बैठक में कहा था- 'माओवादी लाइन पर चलने वाली कम्युनिस्ट पार्टियों के बीच बातचीत चल रही है। हमारा मकसद शांति प्रक्रिया और संक्रमणकालीन न्याय से संबंधित बाकी बचे कार्यों को पूरा करना है। इसके लिए आने वाले दिनों में एक सोशलिस्ट फ्रंट बनाया जाएगा।'

खबरों के मुताबिक दहल लगभग रोजमर्रा के स्तर पर नौ अलग-अलग माओवादी गुटों के साथ बातचीत कर रहे हैं। पिछले नवंबर में हुए आम चुनाव के पहले भी दहल ने सोशलिस्ट फ्रंट बनाने का प्रस्ताव किया था।

इसके लिए सत्ताधारी गठबंधन में शामिल तीन पार्टियों- माओइस्ट सेंटर, जनता समाजवादी पार्टी और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूनिफाइड सोशलिस्ट) के बीच भी विस्तार से बातचीत हुई थी। लेकिन तब बातचीत किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी।

पर्यवेक्षकों के मुताबिक हाल में सुप्रीम कोर्ट के माओवादी विद्रोह के दौर में हुई हत्याओं के लिए दहल को जवाबदेह ठहराने संबंधी याचिकाओं पर सुनवाई करने के लिए तैयार हो जाने के बाद से माओवादी गुटों में एकता की कोशिश नए सिरे से शुरू हुई है। इस प्रयास में माओइस्ट सेंटर खास भूमिका निभा रही है।

संकेत हैं कि पूर्व प्रधानमंत्री बाबूराम भट्टराई के नेतृत्व वाली नेपाल समाजवादी पार्टी का माओइस्ट सेंटर में विलय लगभग पक्का हो गया है। भट्टराई की पार्टी ने पिछला आम चुनाव माओइस्ट सेंटर के चुनाव निशान पर ही लड़ा था। उधर, यूनिफाइड सोशलिस्ट और जनता समाजवादी पार्टी भी माओइस्ट सेंटर के साथ मोर्चा बनाने पर लगभग सहमत हो गई हैं। बताया जाता है कि पिछले आम चुनाव में इन सभी दलों की ताकत घटने के बाद उनमें एकता की जरूरत महसूस हुई है। आम चुनाव में माओइस्ट सेंटर की सीटें 54 से घट कर 32, जनता समाजवादी पार्टी की 17 से घट कर 12 और यूनिफाइड सोशलिस्ट की 24 से घट कर 10 रह गईं।

पर्यवेक्षकों के मुताबिक अगर सोशलिस्ट फ्रंट का विचार कारगर रहता है, तो उसके बाद कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) के प्रति उसके रुख पर उनकी नजर रहेगी। पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली यूएमएल अभी देश की सबसे बड़ी कम्युनिस्ट पार्टी है। लेकिन दहल और उनके साथी उसे माओवादी पार्टी नहीं मानते हैं। उनका दावा है कि इसलिए अभी यूएमएल को एकता प्रक्रिया में शामिल नहीं किया गया है। लेकिन जानकारों के मुताबिक आगे चल कर प्रस्तावित सोशलिस्ट फ्रंट उससे जुड़ने की कोशिश कर सकता है। यह संभावना नेपाली कांग्रेस के लिए चिंता का पहलू बन सकती है, जो वर्तमान सत्ताधारी गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी है।

श्रीलंका में हड़ताली कर्मचारियों को गद्दार और विश्वासघाती करार दिया सरकार ने

कोलंबो,15 मार्च 2023। श्रीलंका की सरकार ने हड़ताल पर गए कर्मचारियों के प्रति सख्त रुख अपना लिया है। सरकार ने सीधे आरोप लगाया है कि ट्रेड यूनियनों का मकसद अपनी मांगें मनवाना नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के ऋण कार्यक्रम को नाकाम करना है। आईएमएफ आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका को 2.9 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त ऋण देने को तैयार हुआ है, लेकिन उसे पाने के लिए उसने श्रीलंका सरकार को कई शर्तों को पूरा करने को कहा है। इसके तहत बिजली सहित कई सेवाएं सरकार ने महंगी कर दी हैं और इनकम टैक्स की दर बढ़ा दी है। विभिन्न क्षेत्रों की ट्रेड यूनियनों ने इन्हीं शर्तों के खिलाफ हड़ताल की है।

श्रीलंका सरकार के प्रवक्ता बदुला गुनावर्धने ने आरोप लगाया है कि ट्रेड यूनियनों की मांग बिल्कुल अनुचित है। उन्होंने हड़ताल को देश के साथ 'गद्दारी' करार दिया। उन्होंने कहा कि आईएमएफ से कर्ज मिलने के बाद देश की स्थिति सुधरेगी। उसके बाद श्रीलंका को एशियन डेवलपमेंट बैंक, विश्व बैंक आदि से भी ऋण मिलने का रास्ता साफ होगा। ऋण मिलने के बाद श्रीलंकाई मुद्रा की कीमत बढ़ेगी। गुनावर्धने ने दावा किया कि अर्थव्यवस्था सुधरने का सबसे ज्यादा लाभ सरकारी कर्मचारियो को ही मिलेगा, जबकि उनकी यूनियनें आईएमएफ से कर्ज मिलने के रास्ते में रुकावट डाल रही हैं।

आईएमएफ के गवर्निंग बोर्ड की बैठक 20 मार्च को होने वाली है। संभावना है कि उसमें श्रीलंका को 2.9 बिलियन डॉलर का ऋण जारी करने का फैसला होगा। गुनावर्धने ने इसका जिक्र करते हुए ट्रेड यूनियनों से कहा कि वे 'अनुचित मांग करके गद्दारी और विश्वासघात का रास्ता ना अपनाएं।'

इस बीच सरकार ने रेलवे कर्मियों की हड़ताल को रोकने के लिए रेल सेवा को आवश्यक सार्वजनिक सेवा घोषित कर दिया है। इसके तहत रेल कर्मचारियों की तमाम छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। इसके तहत कर्मचारियों को बुधवार से अनिवार्य रूप से ड्यूटी पर आने को कहा गया है। अगर कोई कर्मचारी इस आदेश का उल्लंघन करेगा और उसका स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं हुआ, तो उस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इस बीच श्रीलंका की वामपंथी विपक्षी पार्टी जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) भी हड़ताल को बिना शर्त समर्थन देने से मुकर गई है। पार्टी से जुड़ी ट्रेड यूनियन के नेता लाल कांता ने कहा कि अनिश्चितकालीन हड़ताल का समर्थन नहीं किया जाएगा। हालांकि जेवीपी ने हड़ताल के पहले दिन यानी 15 मार्च को होने वाली ट्रेड यूनियन कार्रवाई का समर्थन करने का फैसला किया है।

श्रीलंका में लगभग 50 ट्रेड यूनियनों ने हड़ताल का आह्वान किया है। इनमें बिजली और बंदरगाह कर्मी, यूनिवर्सिटी और स्कूल शिक्षकों, बैंक कर्मचारियों, मेडिकल कर्मचारियों आदि की यूनियनें शामिल हैं। श्रीलंका के सेंट्रल बैंक की कर्मचारी यूनियन ने मंगलवार को एलान किया कि उसके सदस्य भी हड़ताल में शामिल होंगे। डाक विभाग के कर्मचारियों ने भी हड़ताल में शामिल होने की घोषणा की है। फिलहाल कुछ सेक्टरों के कर्मचारियों ने 24 घंटे तक ही हड़ताल में रहने का फैसला किया है। लेकिन ज्यादातर ट्रेड यूनियनें अनिश्चितकाल की हड़ताल पर चली गई हैं।

अमेरिका ने रूस पर काला सागर के ऊपर ड्रोन गिराने का आरोप लगाया

मास्को 15 मार्च, 2023। अमेरिकी वायुसेना के एमक्यू-9 रीपर सर्विलांस ड्रोन को काला सागर के ऊपर उतारा गया, जिसे उसके यूरोपीय कमांड (ईयूकॉम) ने दो रूसी जेट विमानों द्वारा %एक असुरक्षित और अव्यवसायिक अवरोधन' के रूप में वर्णित किया था। ईयूकॉम ने एक बयान में कहा, जब हवाई जहाज ने संपर्क किया, उस समय खुफिया, निगरानी और टोही मंच अंतर्राष्ट्रीय हवाई क्षेत्र के भीतर काम कर रहा था। एसयू-27एस में से एक ने एमक्यू-9 के प्रोपेलर को मारा, इसलिए ऑपरेटरों ने ड्रोन को समुद्र में गिरा दिया।

टक्कर से पहले एसयू-27एस ने कई बार ईंधन डाला और एमक्यू-9 के सामने एक लापरवाह, पर्यावरण की दृष्टि से अस्वस्थ और अव्यावसायिक तरीके से उड़ान भरी। अमेरिकी सेना ने रूसियों पर %योग्यता की कमी' का आरोप लगाते हुए शिकायत की।

यूरोप और अफ्रीका में अमेरिकी वायुसेना के कमांडर जनरल जेम्स हेकर ने कहा कि ड्रोन अंतर्राष्ट्रीय हवाई क्षेत्र में नियमित संचालन कर रहा था और दुर्घटना के परिणामस्वरूप टद-9 का पूरा नुकसान हुआ।

ईयूकॉम ने कहा कि अमेरिका अंतर्राष्ट्रीय हवाई क्षेत्र में नियमित रूप से सामूहिक यूरोपीय रक्षा और सुरक्षा को मजबूत करने और सहयोगी, भागीदार और अमेरिकी राष्ट्रीय उद्देश्यों का समर्थन करने के लिए ड्रोन उड़ानें संचालित करता है। हेकर ने कहा कि उड़ानें जारी रहेंगी, रूसियों से खुद को पेशेवर और सुरक्षित रूप से संचालित करने के लिए कहा जाएगा।

क्रेमलिन और रूसी रक्षा मंत्रालय ने कथित घटना पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है।

अमेरिका ने रूस के खिलाफ संघर्ष में यूक्रेन को खुफिया, निगरानी और टोही जानकारी प्रदान करने की बात स्वीकार की है, जबकि यह जोर देकर कहा है कि वह शत्रुता का पक्षकार नहीं है।

मेडागास्कर में जहाज की तबाही से मरने वालों की संख्या बढ़कर 34 हुई

अंटानानारिवो,15 मार्च,2023। उत्तर-पश्चिमी मेडागास्कर के पास एक अपंजीकृत' नाव के डूबने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है। बंदरगाह के समुद्री अभियान के निदेशक मैमी थियरी रांद्रियारिवोनी के हवाले से कहा, तलाशी अभियान के दौरान मंगलवार को कुल 11 शव मिले, जिससे नाव पर यात्रियों की संख्या 58 हो गई, जिसमें 24 जीवित बचे और 34 मृत थे। अधिकारी अभी भी घटना के कारणों की जांच कर रहे हैं।

मयोटे के फ्रांसीसी हिंद महासागर द्वीप के लिए बाध्य नाव बीती रात उत्तर-पश्चिमी मेडागास्कर में अंकाजोम्बोरोना के समुद्र में डूब गई। सोमवार को परिवहन और मौसम विज्ञान मंत्रालय ने कहा कि विमान में 47 यात्री सवार थे। एपीएमएफ ने ऐसे हादसों से बचने के लिए उपायों को लागू करने का फैसला किया है, जिसमें समुद्री शिल्प के निर्माण और रखरखाव के लिए आवश्यक मानकों की निगरानी को मजबूत करने के साथ-साथ समुद्री यांत्रिकी के व्यावसायीकरण को भी शामिल किया गया है।

ऑस्ट्रेलिया ने खेला है एक बड़ा जुआ, अगर बदला अमेरिकी रुख तो होगा बड़ा नुकसान

मेलबर्न , 15 मार्च 2023। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस हफ्ते ऑकुस (ऑस्ट्रेलिया- यूनाइटेड किंगडम- यूनाइटेड स्टेट्स) सुरक्षा करार को सार्वजनिक करते हुए कहा- 'ऑकुस का एक ही बड़ा मकसद है- वो यह कि तेजी से बदल रही विश्व स्थितियों के बीच इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्थिरता बनी रहे।'

लेकिन विशेषज्ञों के मुताबिक तीन देशों के बीच हुए इस करार का प्रमुख उद्देश्य इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन की बढ़ रही ताकत को नियंत्रित करना है। इस करार के तहत ऑस्ट्रेलिया को परमाणु क्षमता से लैस पनडुब्बी उपलब्ध कराने में अमेरिका और ब्रिटेन मदद करेंगे। इन पनडुब्बियों को पाने के लिए ऑस्ट्रेलिया 245 बिलियन अमेरिकी डॉलर खर्च करेगा। बीते 30 वर्ष में किसी रक्षा परियोजना में ऑस्ट्रेलिया ने इतनी रकम खर्च नहीं की है। इसके अलावा 65 वर्षों में यह पहला मौका है, जब अमेरिका ने पनडुब्बी की परमाणु संचालन तकनीक किसी अन्य देश को देने का फैसला किया हो। 65 साल पहले उसने यह टेक्नोलॉजी ब्रिटेन को दी थी।

लेकिन इस करार से ऑस्ट्रेलिया के रक्षा रणनीतिकारों का एक हिस्सा चिंतित है। उनका कहना है कि इस करार में शामिल होकर ऑस्ट्रेलिया ने अपनी स्वतंत्र विदेश नीति की कीमत पर एक बड़ा जुआ खेला है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व उप विदेश मंत्री ह्यूज ह्वाइट ने कहा है- 'ऑकुस अपने उद्देश्यों को पाने में विफल रहे, इस बात की संभावना अब और अधिक बढ़ गई है। हमारी पनडुब्बियों की भावी क्षमताओं को लेकर गहरा संदेह है।'

इस समझौते के तहत ऑस्ट्रेलिया अमेरिका में बनी वर्जीनिया क्लास की तीन पनडुब्बियां खरीदेगा। इसके अलावा उसके पास दो और पनडुब्बियां खरीदने का विकल्प भी रहेगा। खरीदी जा रहीं पनडुब्बियां ऑस्ट्रेलिया के पास अभी मौजूद कॉलिन्स क्लास की पनडुब्बियों की जगह लेंगी, जो 2036 में रिटायर्ड होने वाली हैं।

इस बीच ऑस्ट्रेलिया ब्रिटेन के साथ मिल कर एसएसएन-ऑकुस पनडुब्बियों को विकसित करने के प्रयास में जुटेगा। ये पनडुब्बियां ब्रिटिश डिजाइन पर आधारित होंगी, जिनमें अमेरिकी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल होगा। लक्ष्य है कि 2040 से ऐसी इस श्रेणी को दो पनडुब्बी हर साल बन कर तैयार होगी और यह क्रम 2050 के दशक तक जारी रहेगा।

लेकिन विशेषज्ञों की राय में इन उद्देशों के पूरा होने की राह में अभी रुकावटें हैं। मनोश यूनिवर्सिटी में परमाणु राजनीति की विशेषज्ञ मारिया रोस्ट रुबली ने वेबसाइट निक्कईएशिया.कॉम को बताया कि अभी इस करार का अमेरिकी कांग्रेस (संसद) की दो समितियां परीक्षण करेंगी। रुबली ने कहा कि अमेरिकी संसद वहां की दोनों प्रमुख पार्टियों के टकराव में बंटी हुई है। इसके बीच करार को जल्द मंजूरी मिलने की आशा नहीं रखी जा सकती।

रुबली ने कहा कि इस समझौते से ऑस्ट्रेलिया की संप्रभुता को लेकर गहरी चिंता उठी है। अगर अमेरिका बीच में करार से हट गया, तो ऑस्ट्रेलिया को भारी नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका में अक्सर राष्ट्रपति बदलने के साथ विदेशी मामलों में नीतियां बदल जाती हैं।

सिंगापुर स्थित एस राजारत्नम स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज में रिसर्च फेलॉ कॉलिन कोह स्वी ली ने कहा है कि इस समझौते से ऑस्ट्रेलिया की तकनीकी क्षमता तो बढ़ेगी, लेकिन उससे ऑस्ट्रेलिया की अर्थव्यवस्था पर बहुत भारी बोझ पड़ेगा। उन्होंने कहा- पनडुब्बी का निर्माण एक जटिल औद्योगिक प्रक्रिया से होता है। अगर ऑस्ट्रेलिया इस प्रक्रिया में माहिर हो गया, तो यह उसके लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी।

बैकुंठपुर विधायक के प्रचारक व सारथी हुए किनारे,
नए समर्थकों ने विधायक के लिए सम्हाला मोर्चा...

» मीडिया तक विधायक की उपलब्धी पहुंचाने वाला कोई नहीं रहा विधायक के करीब?

» गिने चुने शेष बचे समर्थकों ने सोशल मीडिया का लिया विधायक की उपलब्धियां गिनाने सहारा

» पूर्व चुनाव में विधायक से जुड़े लोगों ने लगभग विधायक से किया किनारा,अब नए समर्थकों के भरोसे विधायक

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर, 15 मार्च 2023
(घटती-घटना)।

बैकुंठपुर विधायक के पिछले चुनाव में प्रचारक रहे और समर्थक रहे अधिकांश लोगों के विधायक से किनारा कर लिए जाने के कारण अब विधायक के पास समर्थकों की संख्या कम हो गई है वहीं पुराने समर्थकों की संख्या में ज्यादा ही कमी आई है और कुछ नए समर्थक विधायक से जरूर जुड़े हैं और अब विधायक की उपलब्धियां कुछ पुराने और कुछ नए समर्थक लोगों को गिनवा रहें हैं। बैकुंठपुर विधायक के बचे खुचे समर्थकों द्वारा विधायक की उपलब्धियों को लोगों तक ले जाने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया जा रहा है और मिडिया तक उपलब्धियां ले जाने वाला विधायक के पास कोई नहीं है। विधायक के पास समर्थकों की संख्या लगातार घटी है जबकि अन्य विधायकों के साथ समर्थकों के जुड़ने की खबर लगातार समाने आई है वहीं बैकुंठपुर विधायक क्यों अपने समर्थकों से तालमेल नहीं बैठा पाई यह बड़ा सवाल है।

बता दें की पिछले विधानसभा चुनाव ने विधायक के चुनाव प्रचार का कमान सम्हालने वाले अधिकांश ने विधायक से दूरी बना ली है। विधायक आने वाले चुनाव में जाने से पहले क्या अपने पुराने समर्थकों को अपने साथ ला पाएंगी यह भी एक सवाल खड़ा जरूर होता है। बैकुंठपुर विधानसभा में आने वाले चुनाव में सत्ताधारी दल से कौन प्रत्याशी होगा यह तो टिकट वितरण के बाद तय होगा लेकिन वर्तमान विधायक के लिए आने वाला चुनाव पिछले चुनाव जैसा आसान नहीं होगा यह जनता की जुबानी सुना जा सकता है। बैकुंठपुर विधायक का जनसंपर्क न्यूनतम रहा है और कई क्षेत्रों में मतदाता इसको बड़ी वजह

मतदाताओं से दूरी का मानते हैं, विधायक ने अपने साढ़े चार सालों के कार्यकाल में जनता से जुड़ने का प्रयास बिलकुल नहीं किया और केवल हवाई यात्रा की ही तरह उन्होंने क्षेत्र भ्रमण किया जिसको लेकर मतदाता भी यह कहते सुना जा सकता है की जनसरोकारों से वर्तमान विधायक का कोई खास वास्ता नहीं रहा। अब चुनाव भी नजदीक है और भ्रमण का समय भी इतना नहीं है की प्रत्येक मतदाता तक विधायक पहुंच सकें वहीं समर्थकों की घटती संख्या भी उनके लिए शुभ संकेत नहीं है जो देखने को मिल रहा है। बैकुंठपुर विधायक के पूरे कार्यकाल ने अफसरशाही हावी रही और अधिकारी कर्मचारियों की मनमानी को खुली छूट मिलती रही यह भी उनकी लोकप्रियता के लिए घातक रही। बैकुंठपुर विधायक के कार्यकाल में जनता कार्यालयों के चक्कर लगाने में परेशान रही वहीं अधिकारियों और कर्मचारियों की मनमानी पर अंकुश लगाने वाला नेतृत्व जनता तलाशती रही।

जिन्हें विधायक ने सब कुछ दिया उनमें से अधिकांश लोगों ने विधायक को धोखा दिया

स्थानीय विधायक भले ही आलोचनाओं में घिरी रही लेकिन जिसे उन्होंने अपना माना उनके लिए उन्होंने हर संभव प्रयास किया पर उन लोगों ने कहीं न कहीं विधायक को निराश किया, विधायक ने जिन्हें अपना सारथी माना जिन्हें अपने से जोड़ने का प्रयास किया जो खुद विधायक से हर संभव लाभ लेने में कमी नहीं की आज वही विधायक के अंदर खाने के दुश्मन हैं, विधायक ने जिन्हें सारथी चुना उन्होंने ही कहीं ना कहीं अंदर खाने में विधायक के साथ विश्वासघात किया, विधायक से जुड़कर पैसा कमाया मान सम्मान कमाया पर विधायक के लिए सिर्फ नुकसान ही किया। जिन्हें उन्होंने प्रतिनिधि बनाया उन उन लोगों ने विधायक के नाम से सिर्फ अपनी झोली भरी यहां तक कि सरकारी नौकरी भी पाए पर विधायक के लिए जनसंपर्क व उनकी उपलब्धि गिनाने के बजाय उनकी किरकिरी ही कराई ऐसे सारथी विधायक के किसी काम के ही नहीं है पर वह लाखों के आशियाने बना चुके हैं।

विधायक को समय रहते अभी भी आंख खोलने की जरूरत

विधायक के साथ रहने वालों में कई ऐसे हैं जिनका खुद का कोई जनसंपर्क नहीं है और वह जनता से जुड़ने में कोई दिलचस्पी भी नहीं रखते हैं। विधायक को अभी भी आंख खोलने की जरूरत है तभी उनके लिए चुनाव आसान होगा। वैसे यदि मतदाताओं की माने तो विधायक का विरोध उनके खास समर्थकों के चलते है उनके चलते नहीं।

घोटालेबाज सरपंच बर्खास्त!

राजनीतिक संरक्षण में बचते आ रहे थे, आखिर होना पड़ा बर्खास्त

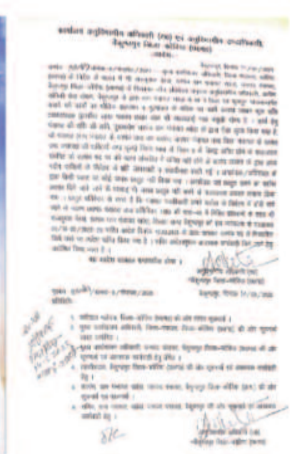

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर 15 मार्च 2023
(घटती-घटना)।

» विधायक का करीबी खांडा ग्राम पंचायत का सरपंच हुआ बर्खास्त,लाखों गबन का है आरोप।

» विधायक भी बर्खास्तगी से नहीं बचा पाईं सरपंच को,एसडीएम ने किया बर्खास्त।

बैकुंठपुर विधायक का करीबी एवम विधायक का नजदीकी ग्राम पंचायत खांडा के सरपंच को बैकुंठपुर एसडीएम ने सरपंच पद से पृथक करने का आदेश जारी कर दिया है। सरपंच पर 14 वें वित्त अनुदान की राशि के गबन का आरोप लगा है और आरोप सही पाए जाने पर यह कार्यवाही की गई है। जारी आदेश में 2155878 लाख रुपए के गबन का आरोप जो जांच के बाद सही पाया गया है के आधार पर निष्कासन की कार्यवाही का उल्लेख है।

बता दें की ग्राम पंचायत खांडा का सरपंच जो बैकुंठपुर विधायक के सबसे खास समर्थकों में से एक है के ऊपर ग्राम पंचायत के ही अन्य निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों सहित ग्रामीणों ने पंचायत खाते की अनुदान राशियों के गबन का आरोप लगाया था जिसकी जांच जिला पंचायत सीईओ द्वारा कराए जाने पर आरोप सही पाया गया और तदुपरांत निष्कासन की कार्यवाही की गई है। धारा 40 के तहत की गई निष्कासन की कार्यवाही में यह भी उल्लेख किया गया है की सरपंच ने अवसर प्रदान करने पर भी संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किया या जवाब ही प्रस्तुत नहीं किया इसलिए यह कार्यवाही की गई है।

विधायक नहीं बचा पाईं अपने करीबी सरपंच का पद

बैकुंठपुर विधायक के खास करीबियों में से एक खांडा सरपंच को विधायक भी नहीं बचा सकीं। विधायक द्वारा पूरा प्रयास किया गया लेकिन आरोपों को सही पाए जाने के कारण अधिकारियों ने निष्कासन की कार्यवाही करना उचित माना। वैसे पूरे मामले में जितनी राशि का गबन किया गया है जिसकी पुष्टि भी हो चुकी है जांच उपरांत निष्कासन की कार्यवाही में विलंब जरूर हुआ है।

निर्माण कार्य प्रारंभ किए बगैर निकाली ली सरपंच ने खाते से राशि

खांडा सरपंच ने ग्राम पंचायत के खाते से 14 वें वित्त अनुदान की राशि बिना निर्माण कार्य प्रारंभ किए ही निकाल ली और निर्माण किया ही नहीं। उक्ताशय की शिकायत ग्रामीणों व पंचायत प्रतिनिधियों ने जब उच्च कार्यालय में की तब जाकर जांच संस्थित हुई और आरोप सही पाए गए। कई निर्माण कार्य ऐसे भी थे जिनकी न तो नीव रखी गई और न वह पूर्ण हुए फिर भी राशि निकाल ली गई थी।

अभिव्यक्ति के काव्य गोष्ठी एवं होली मिलन का हुआ आयोजन,कवियों ने व्यक्त किए अपने हृदय उद्गार

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर, 15 मार्च 2023
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले की साहित्यिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संस्था अभिव्यक्ति के द्वारा स्थानीय इंदिरा पार्क में काव्यगोष्ठी एवं होली मिलन समारोह का आयोजन बीते शनिवार को हुआ जिसमे संस्था के सदस्यों ने हर्षोल्लास के साथ काव्यपाठ करते हुए अपने हृदय उद्गार व्यक्त किए।

कार्यक्रम में शहर के वरिष्ठ गज़लकार शैलेंद्र श्रीवास्तव ने अपने सुक्ष्म और भावुक गजल की प्रस्तुति दी, वरिष्ठ समाजसेविका संध्या रामावत ने प्रेम और होली पर शानदार काव्यप्रतुति देकर सबको भाव विभोर कर दिया इसी तरह योगेश गुप्ता ने अपने चिर परिचित अंदाज में समाज के कई बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए काव्यपाठ किया वहीं रुद्र नारायण मिश्रा ने लोकतंत्र के स्तंभों के ऊपर कटाक्ष करते हुए कविता पढ़ी। कार्यक्रम में आगे राजेश पांडेय ने अपनी कविता का पाठ किया, शहर के युवा कवि और शायर राजीव गुप्ता राजी ने अपने प्रेममय शेरों शायरी से सबकी वाहवाही लूटी इसी तरह तारा पांडे मुक्तांशा ने श्री कृष्ण पर भक्ति मय काव्यपाठ करके सबको भक्ति रस से ओत प्रोत कर दिया,कवयित्री रेणुका तिर्की ने समाज में उपेक्षित रहने वाले किन्नरों पर काव्य पाठ करके सबके उनके महत्व को सोचने पर मजबूर कर दिया इसी तरह संस्था के सदस्य एस. के.÷रूप÷ ने नारी जाति की महिमा और महत्व पर प्रकाश डालते हुए काव्यपाठ किया। कार्यक्रम का सफल संचालन सुनील शर्मा ने किया साथ ही उन्होंने देशभक्ति से ओत प्रोत कविता का पाठ किया। कार्यक्रम में राजेश पांडेय, एस. के.रूप,राजीव गुप्ता ने सुंदर गीतों की प्रस्तुति देकर सबका मन मोह लिया समापन होली मिलन और जलपान के साथ हुआ।

जनता के आवास के बहाने मुख्यमंत्री आवास में अपना अस्तित्व तलाशते भाजपाई: सौरव मिश्रा

» सरकार रहते अपने आवास से बाहर नहीं झांकने वाले भाजपा नेता,विपक्ष में आते ही जनता को आवास दिलाने का कर रहें ढोंग

» प्रदेश में होते विकास के सामने भाजपा हुई मुद्दा विहीन,आवास के नाम पर विधानसभा घेराव भाजपा की राजनीतिक मजबूरी

-रवि सिंह-
मनेंद्रगढ़ 15 मार्च 2023
(घटती-घटना)।

भाजपा झूठे आंकड़ों के आधार पर भ्रम फैलाकर प्रधानमंत्री आवास के नाम पर विधानसभा घेराव की नौटंकी करने जा रही है। जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता सौरव मिश्रा ने भाजपा नेताओं को आड़े हाथों लेते हुए हमला बोला है मिश्रा ने कहा कि 15 साल सरकार में रहते कभी अपने सरकारी आवास से बाहर नहीं झांकने वाले भाजपा नेता आज विपक्ष में आते ही जनता को आवास दिलाने का ढोंग कर रहे है। मिश्रा ने आगे कहा कि भाजपा के द्वारा फर्जीवाड़ा करके तथा गरीबों को झूठा सब्जबाग दिखा कर 7 लाख लोगों से फार्म भरवाया गया तथा उन्हीं गरीबों को भाजपा अपने आंदोलन में यह कह कर बुलाई है कि आंदोलन में शामिल होने पर उनको मकान मिलेगा। भाजपा में यदि साहस है तो केंद्र सरकार से कहकर फार्म भरवाये सारे 7 लाख लोग पात्र हो या अपात्र उनको मकान स्वीकृत करवाये तथा उनके हिस्से का केंद्रांश 60 प्रतिशत जमा करवाये केंद्र द्वारा स्वीकृत करने पर राज्य सरकार भी तत्काल उनके मकानों को स्वीकृत करेगी और अपना 40 प्रतिशत हिस्सा भी स्वीकृत करेगी। मकान देने का झूठा सपना दिखा कर लोगों को आंदोलन में बुलाया है यह दर्शाता है कि अपने दम पर भाजपा में भीड़ इकट्ठा करने का साहस नहीं है।

जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता सौरव मिश्रा ने कहा कि भाजपा के शासनकाल में 15 साल में मात्र 2 लाख 37 हजार प्रधानमंत्री आवास बनाये गये थे। भाजपा बतायें तब उसने 2011 और 2016 की सर्वे सूची को आधार बना कर और ज्यादा प्रधानमंत्री आवास क्यों नहीं बनायें? तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने अपने अंतिम बजट भाषण में विधानसभा में यह माना था कि उनकी सरकार ने मात्र 2,37,000 प्रधानमंत्री आवास ही बनाए थे तथा शहरी क्षेत्र में मात्र 19,000 मकान ही बनाये गये थे।

जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता सौरव मिश्रा ने कहा कि प्रदेश में कुल शहरी और ग्रामीण मिलाकर कांग्रेस सरकार बनने के बाद 1,304,000 (तेरह लाख चार हजार) आवास स्वीकृत हुये है। प्रदेश में 10.57 लाख ग्रामीण क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास की मंजूरी हुई जिसमें 8.41 लाख आवास पूर्ण हो चुके है, शेष में कार्य प्रगति पर है। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना में लगने वाली राज्यांश का पूर्ण भुगतान किया जा चुका है। इसी प्रकार शहरी क्षेत्र में 2 लाख 69 हजार मकान स्वीकृत हुये। प्रधानमंत्री आवास के शहरी क्षेत्र का ही यदि तुलनात्मक अध्ययन करे तो रमन सिंह सरकार ने 4 साल में शहरी क्षेत्र में मात्र 19,000 मकान बनाये थे तथा भूपेश सरकार ने 4 साल में 247,000 मकान बनाये है। रमन सरकार ने चार साल में मात्र 272 करोड़ रू. का राज्यांश दिया था इसके विपरीत कांग्रेस सरकार ने 4 साल में 2100 करोड़ शहरी आवास में राज्यांश दिया है।

सरपंच द्वारा कराया जा रहा घटिया सीसी सड़क का निर्माण

» एसडीएम ने दिए जांच के निर्देश

» जांच में पहुचे एसडीओ ने खराब सामग्री देख कार्य कराया बंद

- मनोज कुमार-
लखनपुर, 15 मार्च 2023
(घटती-घटना)।

जनपद कार्यालय से महज 500 मीटर की दूरी पर सरपंच के द्वारा घटिया सीसी सड़क निर्माण कार्य कराया जा रहा है सड़क निर्माण में नाबालिगों से काम लिया जा रहा है। मामला लखनपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत केवरा का है। जहां सरपंच के द्वारा सीसी सड़क में घटिया स्तर के सामग्रीयो और मानको के अनुरूप निर्माण कार्य कराया जा रहा है।, शासन से प्राप्त राशि का दुरुपयोग करते हुऐ गांव के जनप्रतिनिधि और जिम्मेदार अधिकारी शासन की योजनाओं को पलीता लगाते हुऐ मनमर्जी से निर्माण कार्य करा रहे हैं। निर्माण कार्य हेतु खुलेआम बाल श्रमिकों का भी उपयोग किया जा रहा है। जब घटिया सीसी सड़क निर्माण की सूचना एसडीएम शिवानी जयसवाल जनपद पंचायत के सीओ वेद प्रकाश पांडेय को दी गई तब उनके द्वारा एसडीओ डीके मिंज से मौका मुयावना कराया गया, उन्होने भी माना की ग्राम पंचायत में घटिया निर्माण कराया जा रहा है, वही निर्माण सामग्री भी मानक अनुरूप नहीं है, गौरतलब है की ये घटिया निर्माण जनपद पंचायत के नाक के नीचे सिर्फ 500 मीटर की दूरी पर कराया जा रहा है,। निर्माण कार्य लगभग 50फीसदी पूर्ण हो चुका है, ऐसे में अब तक किसी जिम्मेदार अधिकारी द्वारा निरीक्षण न किया जाना जिम्मेदार अधिकारियों की मिलिभगत के संदेह को भी जन्म दे रहा है।

निर्माण स्थल पर जांच करने पहुंचे अधिकारी ने बताया कि सड़क निर्माण को लेकर विभाग के अधिकारियों को इसकी जानकारी नहीं है काम शुरू होने के उपरांत सरपंच के द्वारा मंगलवार को इंजीनियर को जानकारी दी गई है। तो वहीं ग्राम सरपंच के द्वारा कहा गया कि इंजीनियर के द्वारा सीसी सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया निरीक्षण में निर्माण कार्य सही पाया गया। निर्माण कार्य को लेकर जिस प्रकार से बातें सामने निकल कर आ रही है कहीं ना कहीं शासन की योजना को पलीता लगाने का कार्य किया जा रहा है जो एक भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है।

केवरा सरपंच शैलेंद्र कुमार सिंह

सरपंच शैलेंद्र कुमार सिंह के द्वारा बताया गया कि केंद्र सरकार से आई 3लाख की राशि से 100 मीटर का सीसी सड़क निर्माण कार्य कराया जा रहा है। सरपंच द्वारा बताया गया कि नियमानुसार सड़क बनाया जा रहा है। साथ ही इंजीनियर बीड़ी विश्वकर्मा के द्वारा सड़क का निरीक्षण किया गया है। जिसमें सब कुछ सही पाया गया है।

सीसी सड़क में कार्य कर रहे मिस्त्री भरथरी

सीसी सड़क निर्माण में कार्य कर रहे हैं राजमिस्त्री भरथरी ने मीडिया से चर्चा के दौरान बताया कि सीसी सड़क घटिया निर्माण कार्य कराया जा रहा है जो सड़क जल्द ही टूट जाएगा।

दिलीप मिंज एसडीओ

निर्माणाधीन सीसी सड़क की जांच करने पहुंचे एसडीओ दिलीप मिंज ने बताया कि मिट्टी मिक्स रेत और ओवरसाइज गिट्टी का इस्तेमाल किया जा रहा है। साथ ही इस सीसी सड़क निर्माण कार्य की जानकारी विभाग के अधिकारियो को नही है। साथ ही काम शुरू करने पश्चात सरपंच के द्वारा इंजीनियर को जानकारी दी गई है जांच उपरान्त पुनः निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा।

शिवानी जायसवाल, अनुविभागीय अधिकारी

इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती शिवानी जयसवाल से बात करने पर उनके द्वारा कहा गया कि मुझे आपके माध्यम से या जानकारी प्राप्त हुई है तत्काल मेरे द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी को इस संबंध में जांच करने के निर्देश दिए गए हैं जांच उपरांत निर्माण कार्य में लगे 16 व 17 वर्ष के नाबालिको कार्य से हटाया गया। साथ ही जांच कर गुणवत्ता युग सड़क निर्माण कराए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

तहसील रामानुजनगर में होगी ग्राम पटेलों की नियुक्ति इच्छुक ग्रामीणों को आवेदन के साथ प्रस्तुत होने के निर्देश

- संवाददाता -
रामानुजनगर, 15 मार्च 2023
(घटती-घटना)।

तहसील क्षेत्र रामानुजनगर अंतर्गत ग्राम पटल विहिन ग्राम पंचायतों मे पटेलों की नियुक्ति हेतु तहसीलदार रामानुजनगर के निर्देष जारी कर कहा कि पटेल विहिन ग्राम पंचायत मकरंदीपुर, जगतपुर, मदनपुर, मकरबंधा, लब्जी,पटना, परषुरामपुर, पंपानगर, पतरापाली, द्वारिकापुर, केषवपुर, रामेष्वरम, हनुमागढ़, रामतीर्थ, गणेषपुर, पवनपुर, परमेष्वरपुर, अर्जुनपुर, रामानुजनगर, त्रिपुरेष्वरपुर, सरईपारा, दवना, षिवपुर, कौषलपुर, कबना , पण्डरीपानी, बरहोल , माजा, भुवनेष्वरपु, मदनेष्वरपुर, बद्रिकाआश्रम, चन्द्रिकापुर, सागरपुर, पस्ता, जगरनाथपुर, सेन्दुरी, साल्ही में ग्राम पटेलों की पद पूर्ति हेतु इच्छुक ग्रामवासी निर्धारित तिथि 14 अप्रैल 2023 तक न्यायालयीन समय पर उपस्थित होकर आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। चयन निंधारित मानदण्डो के आधार पर किया जावेगा।

खेल-खेल मे बालिका की दम घुटने से मौत साड़ी बना फंदा

- संवाददाता -
रामानुजनगर, 15 मार्च 2023
(घटती-घटना)।

रामानुजनगर क्षेत्रांतर्गत ग्राम परषुरामपुर निवासी सुखदेव की 15 वर्षीय पुत्री रितिका सुबह अपने घर मे साड़ी से झुला बनाकर खेल रही थी, झूला झूलने के दौरान झूलानुमा साड़ी बालिका के गले मे उलझ गया जिससे वह बेहोष होकर गिर गई जब घर के अन्य सदस्यों की नजर रितिका पर पड़ी तो वे उसे लेकर आनन - फानन मे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रामानुजनगर लेकर आये जहाँ चिकित्सको के द्वारा बालिका की स्थिती देखते हुए उसे मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिये जहाँ पर चिकित्सको के द्वारा बालिका की जाँच उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना से जहाँ पूरा परिवार सदमे मे है वही पूरे गॉव मे शोक का माहौल निर्मित हो गया है।

संयुक्त श्रमिक संगठनों द्वारा 16 मार्च को अवैध कारोबारियों पर अंकुश लगाने में विफल कुसमुंडा प्रबंधन के खिलाफ करेगा विरोध प्रदर्शन

- संवाददाता -
कोरबा, 15 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

जिले के कुसमुंडा खदान में हो रही कोयला, डीजल एवं कबाड़ चोरी को रोकने एवं कर्मचारियों को अविलंब सुरक्षा मुहैया कराने श्रमिक संगठन सक्रिय हो गए हैं। कुसमुंडा क्षेत्र के श्रमिक संगठनों ने संयुक्त रूप से कुसमुंडा महाप्रबंधक को ज्ञापन सौंपकर कर्मचारियों को होने वाली समस्याओं से अवगत कराया है। साथ ही विरोध स्वरूप 16 मार्च को महाप्रबंधक कार्यालय के सामने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन का ऐलान किया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बरमपुर साइड, कुसमुंडा, गेवरा, दीपका खदान से डीजल चोरों का गैंग सुरक्षाकर्मियों एवं पुलिस को चुनोती देते हुए प्रतिदिन लाखों रुपए का हजारों लीटर डीजल चोरी कर रहे। डीजल व कोयले की चोरी को रोकने के लिए त्रिपुरा रायफल को खदान क्षेत्र में लगाया गया है। त्रिपुरा रायफल के जवानों को भी मात देते हुए डीजल की चोरी को अवैध कारोबार को अंजाम दिया जा रहा है। बताया जा रहा है कि डीजल की चोरी करने वाले कोई बाहरी नही बल्कि स्थानीय डीजल चोर बड़ी आसानी से चोरी की घटना को अंजाम दे रहे हैं। कुसमुंडा क्षेत्र के श्रमिक संगठनों बीएमएस ,इंटक,एचएमएस,एटक एवं सीटू ने संयुक्त रूप से कुसमुंडा महाप्रबंधक को पत्र लिखकर कर्मचारियों को होने वाली समस्याओं से अवगत कराया।संयुक्त श्रम संगठन का कहना है की कुसमुण्डा खदान में आये दिन कोयला, डीजल एवं कबाड़ की चोरी बड़े पैमाने पर हो रही है और न केवल चोरी हो रही है बल्कि कार्यरत कर्मचारियों के साथ छीना झपटी व मारपीट की जा रही है। ऐसे भय के वातावरण में सुरक्षा के साथ कार्य करना हम सभी के लिये बहुत ही मुश्किल है, हम असुरक्षित वातावरण में कार्य करने पर मजबूर हैं। विगत कुछ दिनों में घटनाओं की बाढ़ सी आ गई है, हाल ही में 06 मार्च को अज्ञात कैम्पर गाड़ी द्वारा डीजल चोरी किया गया साथ ही 06 नं. बूम बैरियर तोड़ कर कार्यरत कर्मचारियों को कुचलने का कोशिश करते हुये भाग गये द्व कार्यरत कर्मचारी को जान से मारने की धमकी दी गई द्व दिनांक 9 मार्च को रात्रि पाली में चोरों द्वारा बरकुटा डंपिंग में पथराव किया गया साथ ही डोजर ऑपरेटर के साथ मारपीट कर मोबाईल छीन लिया गया। उक्त अप्रिय घटनाओं की जानकरी आपको भलि भाति है परंतु आपके द्वारा कोई ठोस कदम नही उठाया गया है। जिसके परिणाम स्वरूप कर्मचारियों में व्यापक रोष व्याप्त है। पूर्व में भी संयुक्त ट्रेड यूनियन (बीएमएस, इंटक, एचएमएस, एटक, सीटू) कुसमुण्डा क्षेत्र द्वारा लिखित रूप से आये दिन खदान परसिर में कर्मचारियों के साथ असमाजिक तत्वों द्वारा गाली-गलौज व मारपीट कर शासकीय मशीनों से डीजल की चोरी पर रोक-थाम लगाते हुये कर्मचारियों के जान-माल की रक्षा हेतु कारगर कदम उठाने के लिये अपील किया गया था, कुछ समय के लिये छुट-पुट घटनायें होती रही, परंतु आज पर्यन्त उक्त घटनाओं में कोई विराम नही लग पाया है द्व कुसमुण्डा क्षेत्र में त्रिपुरा राइफल्स के सैकड़ो बंदूक धारी जवान तैनात हैं, इसके बावजूद भी चोरी पर विराम न लग पाना अपने आप में एक प्रश्न चिन्ह दर्शाता है कि आखिर क्यों कंपनी त्रिपुरा राइफल्स के सैकड़ों जवानों के खर्चे का बोझ उठा रही है। इस पत्र के माध्यम से हम संयुक्त श्रमिक संगठन (बीएमएस, इंटक, एचएमएस एटक. सीटू) आपसे यह मांग करते है कि आये दिन घटनाओं के संबंध में प्रशासनिक स्तर पर चर्चा कर कार्यरत कर्मचारियों के कार्य के दौरान जान-माल की रक्षा हेतु कार्यवाही सुनिश्चित करने का कष्ट करें अन्यथा दिनांक 16 मार्च को प्रातः 11 बजे महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष बहु संख्या में एकत्रित होकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर विरोध जताया जायेगा। धरना प्रदर्शन में कोई भी अप्रिय घटना घटित होती है तो उसकी संपूर्ण जवाबदारी प्रबंधन की होगी।

अपनी एक सूत्रीय मांग को लेकर पंचायत सचिवों का आज से अनिश्चित कालीन हड़ताल

- संवाददाता -
रामानुजनगर, 15 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

प्रदेष पंचायत सचिव संध के आह्वान पर अपने लंबीत एक सुत्रीय मांग को लेकर आज जनपद पंचायत रामानुजनगर के सचिव संध के द्वारा दिनांक 16.03.2023 से काम बंद कलम बंद की सूचना को लेकर संध के अध्यक्ष बिहारी लाल साहू के द्वारा अपने पंचायत सचिवों के साथ अनुविभागीय अधिकारी रामानुजनगर , तहसीलदार रामानुजनगर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी रामानुजनगर को अपनी मांगों की पूर्ति ना होने तक अनिष्चित कालीन हड़ताल में होने हेतु सूचना पत्र सौपा। हड़ताल के संबंध मे जब संघ के अध्यक्ष से पुछा गया कि किस बिवष्ता के कारण आपको काम बंद कलम बंद का कदम उठाना पड़ रहा है तो उनके द्वारा कहाँ गया कि पूर्व मे संध के मांग पर प्रदेष के मुखिया के द्वारा आष्वासन प्रदान किया गया था कि उचित समय पर आपके मांगों को विचार करते हुए उसे हर संभव स्तर पर पूर्ण करने का प्रयास किया जावेगा किन्तु बजट में संघ के मांगों को अनदेखा किया गया जिस कारण संपूर्ण प्रदेष के सचिव अपने आप को छला हुआ महसुष कर रहे हैं, जिससे हम सभी सचिवों को धोर निराषा हुआ है। इस लिए जब तक हमारी एक सुत्रीय मांग '' परीक्षाअवधि पश्चात् शासकीयकरण करना '' की मांग पुरा नही होने जब तक जनपद के सभी पंचायत सचिव साथी अपने शासकीय दायित्वों की पूर्ति न करते हुए अनिष्चि कालीन हड़ताल मे रहेगे। ज्ञापन सौपने के दौरान पवन कुमार सिंह, अजय सिंह, निजामुद्दीन, जयनुलहक, रामकरण, जयलाल, श्यामलाल, अषोक साहू, मनिजर राम, सुधरवि सिंह, सुबरन सिंह सहित काफी संख्या मे पंचायत सचिव मौजुद रहे।

जंगल में आग लगाते एक व्यक्ति को वन विभाग के कर्मचारियों ने पकड़ा

- संवाददाता -
मनेंद्रगढ़, 15 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

वनमण्डलाधिकारी मनेन्द्रगढ़ उपवनमण्डलाधिकारी केल्हारी के निर्देशों के परिपालन में परिक्षेत्र अधिकारी बहरासी इन्द्रभान पटेल के मार्गदर्शन में बी.एफ.ओ.नगरी सीताराम सिंह द्वारा परिक्षेत्र सहायक उमरवाह प्रदीप दुबे के सहयोग से श्रमिकों के साथ वनभ्रमण के दौरान कक्ष क्र. पी 1072 के चौरापारा नामक स्थल में आग लगाते हुए बिकई आ. बुद्धुराम को मौके पर रात में पकडा गया, आरोपी के विरुद्ध वन अपराध प्रकरण क्र.12126/13 दि.14-3-2023 पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण में अग्रिम कार्यवाही के तहत प.स.उमरवाह द्वारा भार. वन अधि.1927 की धारा 33(1) ङ तथा जैवविविधता अधिनियम 2002 की धारा3, 55,61 अधिरोपित कर अपराधी को गिरफ्तार किया गया, आरोपी को न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी जनकपुर के न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से आरोपी को जेल पहुँचाने हेतु जेल वारंट प्राप्त किया गया। परिक्षेत्र के सभी कर्मचारियों ने पूरे दिन सहयोग एवं सद्भावना पूर्वक कार्य कर आरोपी को पकडकर जेल भेजवाने में सहयोग कर शासकीय कार्य संपादन किया। यह कार्य प.अ.बहरासी के कुशल मार्गदर्शन एवं सहयोग से संपन्न हुआ।

आकस्मिक निरीक्षण में थाना पहुंचे पुलिस अधीक्षक सूरजपुर, फरियादी की शिकायत सुन फौरन एफआईआर दर्ज करने थाना प्रभारी को दिए निर्देश

- संवाददाता -
रामानुजनगर, 15 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) ने मंगलवार को रामानुजनगर थाने का औचक निरीक्षण किया। थाना में लंबित अपराध एवं शिकायतों के बारे में थाना प्रभारी से जानकारी लेते हुए निकाल में धीमी गति होने पर विवेचकों को सख्त लफ्जों में जल्द व विधिसम्मत निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने थाने में बनाए गए महिला हेल्प डेस्क को देखा। वहीं थाने के अंदर रंग-रोगन कराने के भी निर्देश दिए। औचक निरीक्षण के दौरान ही एक व्यक्ति थाना पहुंचा था जिसकी शिकायत को पुलिस अधीक्षक ने सुना और थाना प्रभारी को त्वरित एफआईआर दर्ज कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्र में अपराधों पर नियंत्रण करने एवं अभियान चलाकर लंबित स्थाई वारंट की तामिली करने की हिदायत थाना प्रभारी सहित स्टाप को दिए। उन्होंने थाना के रजिस्टरों, उनमें अंकित की जाने वाली प्रविष्टि आदि को चेक कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस मौके पर थाना प्रभारी रामानुजनगर विपिन लकड़ा, एएसआई बिसुनदेव पैंकरा सहित थाना के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

बालको की उन्नति परियोजना ने महिला सशक्तिकरण को दी नई दिशा

- संवाददाता -
कोरबा, 15 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने विश्व महिला दिवस-2023 के अवसर पर सामुदायिक विकास कार्यक्रम की 'उन्नति परियोजना' के अंतर्गत 'उन्नति उत्सव' आयोजित किया। थीम 'एम्ब्रेस इक्विटी' पर आयोजित कार्यक्रम में बालको गठित महिला स्वयं सहायता समूहों की लगभग 500 प्रतिभागियों की उपस्थिति में 13 कम्युनिटी चैंपियंस को सम्मानित किया गया जिन्होंने बालको के विभिन्न परियोजनाओं जैसे उन्नति, नयी किरण, मोर जल मोर माटी, आरोग्य और वेदांत स्किल स्कूल में अपने योगदान से राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर विशिष्ट पहचान बनाई है। महिला उद्यमियों ने स्टॉल प्रदर्शन, नाट्य प्रस्तुति और सांस्कृतिक कार्यक्रम में एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में 'वॉक ऑफ इक्विटी' का भी आयोजन किया गया जो बालको के समानता को अपनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कार्यक्रम में बालको ने धनेश्वरी गोस्वामी जैसे सामुदायिक चैंपियन की सराहना की जिन्होंने छत्तीसा प्रशिक्षण में सक्रिय रूप से भाग लिया और खुद को चॉकलेट उत्पादन में एक मास्टर ट्रेनर के रूप में स्थापित किया। छात्र पीयूष कुमार ने नई किरण परियोजना के जागरूकता कार्यक्रम से प्रेरित होकर सहपाठी छात्राओं के लिए सेनेटरी नैपकिन खरीदने के लिए क्लास फंड इकट्ठा करने की पहल की। उन्नति से प्रशिक्षण प्राप्त रेखा डहरिया सामुदायिक महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए सिलाई का प्रशिक्षण देती हैं। जीवन में सकारात्मक प्रभाव के लिए पुरस्कार विजेताओं ने बालको के प्रयासों के प्रति आभार व्यक्त किया। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने उन्नति उत्सव की प्रशंसा करते हुए कहा कि हम सभी अपने समाज को सकारात्मक रूप से बदलने के लिए एकजुट हैं। महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें अनेक अवसर बालको की परियोजना उन्नति के जरिए उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे स्वयं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाएं। इससे उन्हें समाज में अपनी स्वतंत्र पहचान स्थापित करने में मदद मिलेगी। श्री कुमार ने कहा कि महिलाएं अपने परिवार, समाज और देश को बुलंदियों पर ले जाने में अपना योगदान दें। बालको स्थानीय समुदायों की महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण, वित्तीय साक्षरता, आय स्त्रोत जैसे पहल से जोड़कर उनके सशक्तिकरण की यात्रा में समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है।

गिधौरी के ग्रामीणों से अवैध वसूली पर सरपंच को कारण बताओ नोटिस जारी

- संवाददाता -
कोरबा, 15 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

ग्राम पंचायत गिधौरी के ग्रामीणों से सरपंच द्वारा सौ-सौ रूपए की अवैध वसूली से संबंधित शिकायत पर कलेक्टर संजीव झा के निर्देशानुसार जांच किया गया। जांच में राशन कार्ड धारियों से सौ रुपए एवं एक किलो चावल की अवैध वसूली पाया गया। जांच उपरांत एसडीएम कोरबा द्वारा गिधौरी की सरपंच श्रीमती विज्ञानी कंवर को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। साथ ही उक्त शिकायत के संबंध में अपना जवाब 20 मार्च 2023 को एसडीएम न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि विकासखंड करतला के ग्राम गिधौरी में शासकीय राशन दुकान में राशन कार्ड धारकों से धार्मिक आयोजन के लिए सौ-सौ रुपए वसूलने की शिकायत पर कलेक्टर श्री झा ने जांच के निर्देश दिए थे। इसी तारतम्य में डिप्टी कलेक्टर सुश्री रूचि शार्दुल, बरपाली तहसीलदार श्रीमती आराधना प्रधान, खाद्य निरीक्षक करतला उर्मिला गुप्ता एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में 14 मार्च को पूरे प्रकरण की जांच की गई। जांच के दौरान राशन कार्डधारी बसंती बाई बिंझवार, सहेली बाई मंझवार, तुलसी बाई, पार्वती वैष्णव, अमृत बाई महंत, सुशीला देवी गभेल, संतोष बाई महंत, दिलीप कुमार मानिकपुरी एवं मौके पर उपस्थित ग्रामीणों ने बताया कि राशन कार्ड धारियों से 100 रुपए की वसूली करने के लिए ग्राम पंचायत में मुनादी कराई गई थी। 13 मार्च को शासकीय उचित मूल्य दुकान विक्रेता अब्दुल खालिद के द्वारा मार्च माह का राशन वितरण किया जा रहा था। वितरण प्रारंभ होने के साथ ही सरपंच श्रीमती विज्ञानी कंवर, उपसरपंच परबतिया बाई कंवर, पंच अनुसुइया साहू एवं शांता बाई द्वारा हर राशनकार्ड धारक से सौ-सौ रूपए की राशि एवं एक-एक किलो चावल लेने लगे। खाद्य निरीक्षक करतला द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन में 13 मार्च को लगभग 250 राशन कार्ड धारियों को उक्त शासकीय राशन दुकान से राशन प्रदान किया गया। उपरोक्त सभी राशन कार्ड धारकों से 100 रुपए एवं एक किलो चावल वसूला गया। इसके लिए सरपंच द्वारा एक रजिस्टर भी बनाया गया था। जिसमें राशि देने वाले और राशि नहीं देने वाले का नाम पृथक-पृथक लिखा गया है। जो राशन कार्ड धारी अपने साथ 100 रूपए नहीं लाए उन्हें बाद में दिए जाने के लिए निर्देशित किया गया। सरपंच द्वारा अवैध वसूली से इकट्ठे किए गए लगभग ढाई क्विंटल चावल बोरियों में भरकर पीडीएस भवन परिसर में रखा गया था। जांच के दौरान उपरोक्त चावल पीडीएस भवन परिसर में रखा हुआ पाया गया। इस प्रकार ग्रामीणों से अवैध वसूली की शिकायत को सही पाये जाने पर एसडीएम कोरबा ने सरपंच को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

कार्यालय कार्यपालन अभियन्ता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

जिला :- सरगुजा (छ0ग0)

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आंमत्रण सुचना

जिला जल एंव स्वचछता सरगुजा की ओर कार्यपालन अभियंता सदस्य सचिव, जिला जल एंव स्वच्छता मिशन द्वारा एकीकृत पंजीयन व्यवस्था के अंतर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीयकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित (पम्प स्थापना,टंकी निर्माण एंव पाईप लाईन कार्य तथा अन्य) हेतु पत्रक अ (प्रतिशत दर) ऑनलाईन निविदा आमंत्रित निम्न निविदाओं में परिवर्तन की जाती है।

क्र.0	दिनांक	निविदा	सिस्टम क्रमांक	लागत (रू.लाख में)	अंतिम तिथी	संशोधित अंतिम तिथि
01	23.01.2023	386	121733	155.41	13.02.2023	21.03.2023
02	23.01.2023	390	122083	148.50	13.02.2023	21.03.2023
03	23.01.2023	392	122491	111.86	13.02.2023	21.03.2023
04	23.01.2023	395	122615	166.30	13.02.2023	21.03.2023
05	23.01.2023	403	123050	116.98	13.02.2023	21.03.2023
06	11.02.2023	416	124653	184.04	06.03.2022	21.03.2023
07	11.02.2023	418	124664	171.77	06.03.2022	21.03.2023
08	13.02.2023	419	124724	173.13	06.03.2022	21.03.2023
09	13.02.2023	420	125260	133.62	06.03.2022	21.03.2023

निविदा की बाकी शर्तें यथावत रहेंगी-

बिड संबमिशन की अंतिम तिथि :- निविदा क्रं. 386, 390 392,395,403,416, 418, 419 एंव 420 की दिनांक 13.03.2023 समय :- 17:30 बजे तक। उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा के सामान्य शर्तें घरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञाप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल (https://eproc.cgstate.gov.in) में दिनांक 21.03.2023 पर देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियन्ता
लोक स्वास्थ्य यंत्रिकी खण्ड

जी नंबर- 99271/3

न्यायालय,अनुविभागीय अधिकारी (रा) रामानुजनगर,जिला सूरजपुर,छ.ग.

रा.प्र.क्र./ /अ-2/2022-23

ग्राम-गणेशपुर, तहसील-रामानुजनगर

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-पंचायत गणेशपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक अजय कुमार साहु आ0 सोहन जाती तेली, निवासी गणेशपुर तहसील-रामानुजनगर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा अपने स्वामित्व एवं अधिपत्य की शामिलात खाते की भूमि ग्राम-गणेशपुर प.ह.नं.-27 रा.नि.मं.,-गणेशपुर तहसील-रामानुजनगर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0) स्थित भूमि खसरा क्रमांक 922 रकबा 0.21 हे.मे से 0.04 हे0 को कृषि प्रयोजन से आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदक द्वारा आवेदन पत्र के साथ बी-1, खसरा, नक्श, शपथ-पत्र, रिनम्बरिंग सूची, सहखातेदार की सहमति पत्र, ग्राम पंचायत गणेशपुर का अनापत्ति प्रमाण-पत्र रजिस्टी की छायाप्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतएव उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिध के माध्यम से दिनांक 05/04/2023 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं/ उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 06.03.2023 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्ष से जारी किया गया।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा) रामानुजनगर

न्यायालय,अनुविभागीय अधिकारी (रा) रामानुजनगर,जिला सूरजपुर,छ.ग.

रा.प्र.क्र./ /अ-2/2022-23

ग्राम-गणेशपुर, तहसील-रामानुजनगर

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-पंचायत गणेशपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री महेन्द्र कुमार साहु आ0 सोहन जाती तेली, निवासी गणेशपुर तहसील-रामानुजनगर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा अपने स्वामित्व एवं अधिपत्य की शामिलात खाते की भूमि ग्राम-गणेशपुर प.ह.नं.-27 रा.नि.मं.,-गणेशपुर तहसील-रामानुजनगर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0) स्थित भूमि खसरा क्रमांक 922 रकबा 0.21 हे.मे से 0.04 हे0 को कृषि प्रयोजन से आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदक द्वारा आवेदन पत्र के साथ बी-1, खसरा, नक्श, शपथ-पत्र, रिनम्बरिंग सूची, सहखातेदार की सहमति पत्र, ग्राम पंचायत गणेशपुर का अनापत्ति प्रमाण-पत्र रजिस्टी की छायाप्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतएव उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिध के माध्यम से दिनांक 05/04/2023 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं/ उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 06.03.2023 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्ष से जारी किया गया।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा) रामानुजनगर

न्यायालय,तहसीलदार उदयपुर, जिला सरगुजा,(छ.ग.)

रा0प्र0क्र0 202302021900037 / अ-21/2022-23

ईश्तहार

ग्राम - सुखरीमण्डार, प0ह0नं0 16

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण उदय, चमलराम,रतई पिता करूं, एतवारसाय आ0 दुहा, सुखनी, सुधनी पिता ननका सभी जातिं मझवार निवासी ग्राम सुखरीभण्डार द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताये है कि ग्राम सुखरीमण्डार तहसील उदयपुर मैं संयुक्त खाता कुल ख.न. 05 कुल रकबा 3.947 हे0 भूमि स्थित है । उक्त भूमि में से ख0न0 35 रकबा 1.348 में से रकबा 0.820 हे0 भूमि को अनावेदक शिवनारायण सिंह आ0 सरूपन जाति गोड़, निवासी ग्राम परशुरामपुर जिला सुरजपुर को रू0 300,000.00 (तीन लाख रूपये) में विकय किये जाने का सौदा तय किया गया है। जिसमें से रू 1,50,000,00 (एक लाख पंचास हजार रूपये) अग्रिम प्राप्त कर लिये है। आवेदकगण द्वारा उक्त भूमि का विकय का कारण शादी के लिये कर्ज को चुकता करने एवं निजी खर्च के लिये रूपयों की आवश्यकता होना बताये है। आवेदक द्वारा विकय किये जाने कीं अनुमति हेतु आवेदन मय बी-1, खसरा, बंदोबस्त अभिलेख की प्रतिलिपि सहित अनुविभागीय अधिकारी(रा0), उदयपुर के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो

जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी तिथि 22/03/2023 के पूर्व इस न्यायालय में दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के उपरान्त किसी भी प्रकार का दावा/आपत्ति प्राप्त होने पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 02/03/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा द्वारा जारी।

सील — तहसीलदार उदयपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ0ग0

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0-202303021200033 /अ-6/2022-23

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शिवम कमार अम्बष्ट आ0 स्व0 सतीश कुमार अम्बष्ट, उम्र-25 वर्ष, निवासी-भट्ठीरोड़, केदारपुर, नगर अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 ने आवेदन प्रस्तुत कर कथन किया कि आवेदक के पिता सतीश कुमार अम्बष्ट आ0 विश्वनाथ अम्बष्ट, निवासी-अम्बिकापुर के स्वामित्व व हक की शीट नंबर-04, मोहल्ला केदारपुर, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भू-खण्ड क्रमांक 1951/55 रकबा 0.15 एकड़ भूमि है। खातेदार सतीश कुमार अम्बष्ट आ0 विश्वनाथ प्रसाद अम्बष्ट की मृत्यु दिनांक 25/02/2022 को हो चुकी है। आवेदक एवं अनावेदकगण सतीश कुमार अम्बष्ट आ0 विश्वनाथ प्रसाद अम्बष्ट के वैध वारिस हैं। अनावेदकगण वादभूमि के अभिलेख में अपना नाम दर्ज नहीं कराना चाहते है। इस हेतु उनके द्वारा निंमुक्ति पत्र दिनांक 20/032023 का निष्पादन किया गया है। अतः भूधारक की मृत्यु होने के कारण उनका नाम विलोपित कर आवेदक के नाम नामान्तरण दर्ज किये जाने बावत् आवेदन पत्र अर्न्तगत धारा 109,110, छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-12/04/2023 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 14/03/2023 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

भारत की नजरें स्वदेश में मजबूत प्रदर्शन पर

» निकहत जरीन-लवलीना बोरगोहेन दिखाएंगी दम

नई दिल्ली, 15 मार्च 2023। भारत गुरुवार से नई दिल्ली में शुरू हो रही विश्व चैंपियनशिप में महिला मुक्केबाजी में अपने बढ़ते रुतबे के अनुरूप मजबूत प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगा तो उसे निकहत जरीन और लवलीना बोरगोहेन से काफी उम्मीदे होंगी। बाएं घुटने की चोट से उबर रहीं छह बार की चैंपियन दिग्गज मुक्केबाज मैरी कॉम की अनुपस्थिति में विश्व चैंपियन निकहत और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना 12 सदस्यीय भारतीय टीम की अगुवाई करेंगी।

दोनों मुक्केबाज पेरिस ओलंपिक के नजदीक आने के बीच नए वजन वर्गों में अपने पैर जमाने की कोशिश करेंगी। दुनिया की चौथे नंबर की मुक्केबाज निकहत ने अपना वजन वर्ज 52 किग्रा से घटाकर 50 किग्रा कर लिया है। उन्होंने पिछले साल तुर्की में 52 किग्रा वर्ग में ही खिताब जीता था। दूसरी ओर लवलीना ने 69 किग्रा वेल्टरवेट वर्ग से अपना वजन बढ़ाकर 75 किग्रा मिडिलवेट वर्ग में किया है क्योंकि 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए उनके दोनों पसंदीदा वजन वर्ग को हटा दिया गया है।

निकहत के लिए 50 किग्रा वर्ग में यह दूसरा अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट होगा। उन्होंने लाइट फ्लाई वेट वर्ग में राष्ट्रमंडल खेलों का स्वर्ण जीता लेकिन बर्मिंघम खेलों में मुकाबला उतना कड़ा नहीं था। हालांकि यहां ऐसा नहीं होगा। ओलंपिक भार वर्ग होने के कारण निकहत को को पोडियम पर जगह बनाने के लिए कुछ शीर्ष मुक्केबाजों का सामना करना पड़ेगा। विश्व चैंपियनशिप की दो बार की कांस्य पदक विजेता लवलीना ने 75 किग्रा वर्ग में एशियाई चैंपियनशिप जीती थी लेकिन वह अब भी अपने नए भार वर्ग के अनुसार ढल रही हैं।

लवलीना ने से कहा, मेरे मुक्कों की ताकत में सुधार पर ध्यान दिया जा रहा है क्योंकि मेरे विरोधी 69 किग्रा वर्ग के मुकाबले ज्यादा मजबूत होंगे। नजरें राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन नीतू घंघास (48 किग्रा) और पिछले सत्र की कांस्य पदक विजेता मनीषा मोन (57 किग्रा) पर भी होंगी। साक्षी चौधरी (52 किग्रा), प्रीति (54 किग्रा), शशि चोपड़ा (63 किग्रा), सनामचा चानू (70 किग्रा) से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। यह तीसरी बार है जब भारत इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है। लेकिन कई देशों के बहिष्कार, अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के बीच संघर्ष और एक अदालती मामले ने टूर्नामेंट की चमक को कम कर दिया है।

रूस के उमर क्रेमलेव की अध्यक्षता में आईबीए ने आईओसी की सिफारिशों के विपरीत रूस और बेलारूस के मुक्केबाजों को अपने स्वयं के ध्वज तले प्रतिस्पर्धा पेश करने की अनुमति दी थी जिसके बाद अमेरिका, ब्रिटेन और आयरलैंड सहित 10 से अधिक देश टूर्नामेंट से हट गए। इसके अलावा दो विश्व निकायों के बीच चल रहे झगड़े ने बहुत भ्रम पैदा किया है क्योंकि आईओए ने कहा कि वह 2024 पेरिस ओलंपिक क्वालीफायर का प्रभारी होगा न कि आईबीए जो 2019 से निलंबित है। लेकिन आईबीए ने घोषणा की कि वे क्वालीफिकेशन प्रतियोगिता आयोजित करेंगे और इस साल पुरुषों और महिलाओं की विश्व चैंपियनशिप मुख्य क्वालीफायर होगी।

क्रेमलेव ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि आईओसी क्वालीफाइंग स्पर्धाओं का प्रभारी बना रहेगा और दोनों निकायों को सहयोग और समन्वय करने की आवश्यकता है। हालांकि उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट आईबीए प्रबंधित होने चाहिए। भारतीय राष्ट्रीय चैंपियन मंजू रानी (48 किग्रा), शिक्षा नरवाल (54 किग्रा) और पूनम पूनिया (60 किग्रा) ने भारतीय मुक्केबाज महासंघ (बीएफआई) की नई चयन नीति के तहत विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाने के कारण अदालत का रुख किया जिससे राष्ट्रीय शिविर में एक और विवाद खड़ा हो गया। नई नीति के तहत मुक्केबाजों का तीन सप्ताह तक विभिन्न मापदंडों के तहत मूल्यांकन किया गया जहां नीतू, प्रीति और जैसमीन लम्बोरिया ने उन्हें पछाड़कर टूर्नामेंट की टीम में जगह बनाई।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच रोमांचक होगी जंग

नई दिल्ली, 15 मार्च 2023। बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज 2-1 से जीतने के बाद अब भारतीय टीम अपने अगले मिशन की ओर आगे बढ़ चुकी है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज का आगाज 17 मार्च से शुरू होना है। पहला मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा।

भारतीय टीम की पहले वनडे में कप्तानी हार्दिक पांड्या करेंगे और फिर अगले दो मैचों में नियमित कप्तान रोहित शर्मा लौट आएंगे। वहीं ऑस्ट्रेलिया की अगुवाई स्टीव स्मिथ करेंगे क्योंकि नियमित कप्तान पैट कमिंस ने घर पर ही रुकने का फैसला किया है। पिछले सप्ताह पैट कमिंस की मां का निधन हो गया था। चलिए जानते हैं कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे सीरीज के तीन मैच कहां खेले जाएंगे।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे सीरीज का पहला मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में 17 मार्च को खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा वनडे मुकाबला विशाखापत्तनम में 19 मार्च को खेला जाएगा। सीरीज का आखिरी और निर्णायक मैच 22 मार्च को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। सभी मैच दोपहर 1:30 बजे से खेले जाएंगे। टॉस आधे घंटे पहले होगा।

रोहित शर्मा नहीं खेलेंगे पहला वनडे मैच

दरअसल, तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में टीम इंडिया कप्तान रोहित शर्मा के बिना ही मैदान पर उतरेगी। इस मैच में टीम की कमान हार्दिक पांड्या के हाथों में होगी। रोहित निजी कारणों के कारण मैच के लिए उपलब्ध नहीं होंगे, जिसकी जानकारी बीसीसीआई ने पहले ही दे दी थी।

वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया का स्क्वायॅड

टीम इंडियाः रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, के एल राहुल, ईशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या (उप-कप्तान), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, वाशिंगटन सुंदर, युजवेंद्र चहल, मोहम्मद शमी, मो. सिराज, उमरान मलिक, शार्दुल ठाकुर, अक्षर पटेल, जयदेव उनादकट।

श्रीलंका के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला में विलियमसन, साउदी को जगह नहीं

वेलिंगटन, 15 मार्च 2023। केन विलियमसन और टिम साउदी सहित न्यूजीलैंड के चार खिलाड़ियों को देश के क्रिकेट बोर्ड ने श्रीलंका के खिलाफ सीमित ओवरों की घरेलू श्रृंखला में हिस्सा लिए बिना अपनी संबंधित इंडियन प्रीमियर लीग टीमों में शामिल होने के लिए हरी झंडी दे दी।

विलियमसन (गुजरात टाइटन्स), साउदी (कोलकाता नाइट राइडर्स), डेवोन कॉन्वे और मिचेल सेंटनर (दोनों चेन्नई सुपर किंग्स) की चौकड़ी शुक्रवार से यहां श्रीलंका के खिलाफ शुरू होने वाले दूसरे और अंतिम टेस्ट के बाद राष्ट्रीय टीम की जिम्मेदारी से मुक्त हो जायेंगे। उन्हें इससे अपनी आईपीएल फेंचाइजी टीमों से जल्दी जुड़ने का मौका मिलेगा।

टीम के तीन अन्य खिलाड़ी फिन एलेन (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर), लॉकी फर्ग्यूसन (केकेआर) और ग्लेन फिलिप्स (सनराइजर्स हैदराबाद) 25 मार्च को ऑकलैंड में होने वाले पहले वनडे के बाद भारत के लिए उड़ान भरेंगे।

दो मैचों की मौजूदा टेस्ट श्रृंखला के समापन के बाद न्यूजीलैंड की टीम श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय और इतने ही मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेलेगी। आईपीएल 31 मार्च को अहमदाबाद में मौजूदा चैंपियन गुजरात टाइटन्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच मैच के साथ शुरू होगा।

विलियमसन की अनुपस्थिति में न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने वनडे सीरीज के लिए टॉम लाथम को कप्तान बनाया है। 28 मार्च को क्राइस्टचर्च में हेगले ओवल में होने वाले दूसरे वनडे से पहले मार्क चैपमैन, बेन लिस्टर और हेनरी निकोल्स टीम से जुड़ेंगे। सीमित ओवरों की टीम में टॉम ब्लंडेल और विल यंग की वापसी हुई है। टीम में चाड बोवेस और बेन लिस्टर नये चेहरे है। न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने कहा, एक कोच के रूप में टीम में नये खिलाड़ियों के साथ वापसी करने वाले खिलाड़ियों का होना हमेशा रोमांचक होता है।

उन्होंने इस साल भारत में होने वाले वनडे विश्व कप (अक्टूबर-नवंबर) का जिक्र करते हुए कहा, हमें अभी से मई तक सीमित ओवरों के 16 मैच खेलने है ऐसे में कई खिलाड़ियों को परखने का मौका मिलेगा।

रविचंद्रन अश्विन बने गेंदबाजों के बादशाह

» किंग कोहली और अक्षर पटेल ने लगाई लंबी छलांग

नई दिल्ली, 15 मार्च 2023। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने बुधवार को ताजा टेस्ट रैंकिंग जारी कर दी है। स्टार ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। इसके अलावा भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने भी लंबी छलांग लगाई है।

विराट कोहली ने तीन साल के सूखे को खत्म करते हुए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट में अपने करियर का 28वां शतक जमाया। कोहली ने सात स्थानों की लंबी छलांग लगाकर बल्लेबाजी रैंकिंग में 13वां स्थान हासिल किया। बता दें कि भारत के ऋषभ पंत (9वें स्थान) और कप्तान रोहित शर्मा (10वें स्थान) टॉप-10 बल्लेबाजों में शामिल हैं।

रविचंद्रन अश्विन ने इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन को 10 अंक से पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। अश्विन-एंडरसन संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान पर थे, लेकिन अब भारतीय ऑफ स्पिनर आगे निकल गए हैं। ऑलराउंडर्स की बात करें तो रवींद्र जडेजा शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। जडेजा ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में धमाकेदार प्रदर्शन किया। भारत के ऑलराउंडर अक्षर पटेल को भी जबर्दस्त फायदा मिला है।

अक्षर पटेल ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भले ही दो विकेट लिए, लेकिन उन्होंने बल्ले से कमाल करते हुए तीन अर्धशतक जमाए। पटेल ने बल्लेबाजी रैंकिंग में आठ स्थान की छलांग लगाते हुए 44वां स्थान हासिल किया। वहीं वो ऑलराउंडर्स की लिस्ट में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

कौन है टॉप पर

आईसीसी बल्लेबाजी रैंकिंग की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया के मार्नस लाबुशेन (915 अंक) पहले स्थान पर काबिज हैं। स्टीव स्मिथ (872) दूसरे, जो रूट (871) तीसरे, बाबर आजम (862) चौथे और ट्रेविस हेड (853) पांचवें स्थान पर जमे हुए हैं। गेंदबाजों में अश्विन (869) शीर्ष स्थान पर हैं। जेम्स एंडरसन (859) दूसरे, पैट कमिंस (841) तीसरे, कगिसो रबाडा (825) चौथे और शाहीन अफरीदी (787) पांचवें स्थान पर हैं।

ऑलराउंडर्स की लिस्ट में रवींद्र जडेजा (431) नंबर-1 पर हैं। रविचंद्रन अश्विन (359) दूसरे, शाकिब अल हसन (329) तीसरे, अक्षर पटेल (316) चौथे और बेन स्टोक्स (307) पांचवें स्थान पर हैं।

राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ी रियान पराग ने आईपीएल 2023 के लिए बोल्ड की भविष्यवाणी

जयपुर, 15 मार्च 2023। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के बल्लेबाज रियान पराग ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी संस्करण से पहले एक साहसिक भविष्यवाणी की है। पराग ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से भविष्यवाणी की कि वह आईपीएल 2023 में किसी बिंदु पर एक ओवर में चार छक्के लगाने जा रहे हैं।

पराग ने ट्विटर पर लिखा, मेरी अंतरात्मा कहती है कि मैं इस आईपीएल में एक ओवर में 4 छक्के लगा रहा हूं।

रियान पराग घरेलू सर्किट में लगातार रन बना रहे हैं और वह भी इंडियन प्रीमियर लीग की शुरुआत से ठीक पहले। आगामी सीजन की तैयारी के लिए सभी फ्रेंचाइजियों ने अपने ट्रेनिंग कैंप आयोजित करने शुरू कर दिए हैं।

पराग ने टूर्नामेंट शुरू होने से ठीक पहले सभी टीमों को एक अशुभ संदेश भी दिया है।

पराग ने हाल ही में गुवाहाटी टी20 प्रीमियर लीग में धमाकेदार पारी खेली, जहां उन्होंने 64 गेंदों में 17 छक्कों और छह चौकों की मदद से 148 रनों की पारी खेली।

पराग पिछले कुछ सीजन से राजस्थान रॉयल्स के लिए बेशकीमती संपत्ति रहे हैं और टीम के अहम स्तंभ भी बने हैं।

इंडियन प्रीमियर लीग की शुरुआत 31 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गत चैंपियन गुजरात टाइटन्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच होने वाली पहली भिड़ंत के साथ होगी।

इंडियन प्रीमियर लीग का यह सीज़न नए सीज़न में कुछ नए नियमों और विनियमों का गवाह बनने जा रहा है। सीजन में कई नए नियम लाए गए हैं और टी20 के कई दिग्गजों का आखिरी आईपीएल हो सकता है। मौजूदा आईपीएल सीजन भारत के दिग्गज खिलाड़ी एमएस धोनी और कई अन्य लोगों के लिए भी आखिरी हो सकता है।

इस साल के इंडियन प्रीमियर लीग में क्या अलग है?

टीमों को क्रमशः दो समूहों में विभाजित किया जाएगा, प्रत्येक समूह में 5 टीमें होंगी। ग्रुप ए में मुंबई इंडियंस, कोलकाता नाइट राइडर्स, राजस्थान रॉयल्स, दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स शामिल होंगे जबकि ग्रुप बी में चेन्नई सुपर किंग्स, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, सनराइजर्स हैदराबाद, पंजाब किंग्स, गुजरात टाइटन्स होंगे।

इंडियन प्रीमियर लीग 2023 में 70 लीग मैच होंगे जिसमें 18 डबल हेडर शामिल होंगे।

हर टीम दो मैच अपने विरोधी ग्रुप की टीम से और एक मैच अपने ग्रुप की टीम से खेलेगी

इंडियन प्रीमियर लीग भी 6 मई, 2023 को अपने 1000वें मैच की मेजबानी करेगा। यह मैच मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेला जाएगा।

आईपीएल निम्नलिखित स्थानों पर खेला जाएगा- चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, मुंबई, कोलकाता, लखनऊ, दिल्ली, अहमदाबाद, जयपुर और मोहाली और कुछ मैच गुवाहाटी में खेले जाएंगे जो राजस्थान रॉयल्स का दूसरा घर होगा, और धर्मशाला भी जो पंजाब किंग्स का दूसरा घर है।

फिल्म गैसलाइट का ट्रेलर रिलीज, मर्डर मिस्ट्री लेकर आई सारा-विक्रांत और चित्रांगदा की तिकड़ी

सारा अली खान दर्शकों के बीच खुद को साबित कर चुकी हैं। वह फिल्म दर फिल्म अपने अभिनय में सुधार ला रही हैं। पिछली फिल्म अतरंगी रे में उनके अभिनय की खूब तारीफ हुई थी। सारा की आने वाली फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। उनकी फिल्म गैसलाइट भी काफी समय से चर्चा में है। यह वही फिल्म है, जिसमें उनके साथ अभिनेता विक्रांत मैसी नजर आने वाले हैं। अब फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज हो चुका है।

फिल्म में सारा ने मीशा नाम की एक दिव्यांग लड़की का किरदार निभाया है, जो अपने पुश्तैनी घर लौटी है और अपने पिता के अचानक गायब होने से हैरान-परेशान है। वह व्हीलचेयर पर बैठकर अपने पिता की मौत का पता लगा रही है। चित्रांगदा ने मीशा की सौतेली मां रुक्मिणी का किरदार निभाया है। हत्या के पीछे उन्हीं की साजिश लग रही है। विक्रांत उर्फ कपिल मीशा के साथ उसके पिता की हत्या की गुत्थी सुलझाते दिख रहे हैं।

सारा ने कुछ दिन पहले ही सोशल मीडिया पर फिल्म गैसलाइट की रिलीज डेट का ऐलान किया था। यह एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्देशन पवन कृपलानी ने किया है। ऐसा पहली बार होगा, जब सारा पर्दे विक्रांत और चित्रांगदा के साथ नजर आएंगी। कुछ दिनों पहले सारा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया था, जिसमें लोगों ने सारा, विक्रांत और चित्रांगदा की तिकड़ी की खूब तारीफ की थी।

बीते दिन फिल्म से कलाकारों की पहली झलक सामने आई। सारा ने भी फिल्म का फर्स्ट लुक प्रशंसकों के साथ साझा किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, मर्डर एक, शक कई, शून्य भरोसा। ट्रेलर कल यानी 14 मार्च को आएगा। इस फिल्म में राहुल देव और अक्षय ओबेरॉय भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। सारा और विक्रांत फिल्म में होश उड़ा देने वाले किरदार निभाते दिखेंगे। फिल्म 31 मार्च को डिज्नी+ हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

सारा की पिछली फिल्म अतरंगी रे भी 2021 में सीधे हॉटस्टार पर आई थी और फिल्म को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दर्शकों से काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। गैसलाइट सारा की दूसरी फिल्म है, जो फिर से हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

गोधन न्याय योजना के हितग्राहियों को 7 करोड़ 4 लाख रूपए का भुगतान

रायपुर,15 मार्च 2023(ए)। इस वक्त की बड़ी खबर सामने आई है. जहां मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गोधन न्याय योजना के हितग्राहियों को 7 करोड़ 4 लाख रूपए का भुगतान किया। गोबर विक्रेताओं को 4 करोड़ 25 लाख रूपए, गौठान समितियों को 1.65 करोड़ रूपए और महिला समूहों को 1.14 करोड़ रूपए की लाभांश राशि शामिल है. हितग्राहियों को अब तक 419 करोड़ 25 लाख रूपए का भुगतान हुआ. विगत माह तक गौठानों में 107.75 लाख क्विंटल गोबर की खरीदी हुई. गोबर विक्रेताओं को अब तक 215 करोड़ 50 लाख रूपए का भुगतान हुआ. गौठान समितियों एवं महिला स्व-सहायता समूहों को अब तक 185.77 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया.

नक्सलियों ने नारायणपुर-ओरछा मुख्य मार्ग किया बंद

नारायणपुर ,15 मार्च 2023(ए)। जिले के धनोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ओरछा मुख्य मार्ग पर ओरछा और पिनगुंडा पुल के पास नक्सलियों ने पेड़ काट कर एवं पत्थर रखकर नक्सली बैनर-पोस्टर लगाकर मार्ग बंद कर दिया है। लगाए गए बैनर में उन्होंने केंद्र सरकार के खिलाफ जनआंदोलन तेज करने की बात कही गई है, लेकिन राज्य सरकार के खिलाफ कुछ भी नही लिखा है। मिली जानकारी के मुताबिक यह बैनर-पोस्टर नक्सलियों के नेलनार एरिया कमेटी की ओर से लगाई गई है। नक्सलियों के टीसीओसी माह के चलते इन दिनों नक्सली गतिविधियां तेजी देखी जा रही है। नारायणपुर-ओरछा मुख्य मार्ग की बहाली के लिए बुधवार सुबह जवानों को रवाना कर दिया गया है।

एक लाख लोगों के साथ भाजपा का विधानसभा घेराव

» पहली बेरिकेडिंग तो आगे बढ़े कार्यकर्ता

» अरुण साव बोले-जो सीएम बनेगा वो पहले...

रायपुर,15 मार्च 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में मोर आवास मोर अधिकार को लेकर जमकर प्रदर्शन हो रहा है। भाजपा ने आज बुधवार को इस मुद्दे पर 1 लाख लोगों के साथ विधानसभा घेराव किया है।प्रदेश भर से भाजपा कार्यकर्ता और नेता बड़ी संख्या में शामिल हुए हैं। बताया जा रहा है कि इसमें 75 प्रतिशत लोग मोर आवास योजना के हितग्राही हैं।

सभा प्रभारी ओम माथुर ने कहा नवंबर तक ये आंदोलन हमको करना है। आज मुझे और रमन सिंह को भी लगभग एक घंटे जाम में फंसे रहना पड़ा। सड़क पर भी ऐसी ही भीड़ दिखनी चाहिए। उधर, विधानसभा घेरने निकले भारतीय जनता युवा मोर्चा ने 2 किलोमीटर पहले सड़क पर लगाई गई बेरिकेडिंग तोड़ दी है। पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह ने कहा -ईडी-सीबीआई के छापे में इनके अधिकारी जेल जा रहे। आवास नहीं दोगे तो हम सरकार बदलकर 16 लाख आवास बना देंगे। 4 किलोमीटर तक कार्यकर्ताओं ने सड़क जाम कर दी है। हम लोग सरकार को चेतावनी देने के लिए आए हैं। बताने आए हैं कि आवास की जो योजना है। ये आवास गरीब जनता का है।16 लाख आवास देना पड़ेगा।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कहा-भीख नहीं अधिकार चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा का जो मुख्यमंत्री बनेगा , वह पहले प्रधानमंत्री आवास के लिए हस्ताक्षर करेगा। फिर मुख्यमंत्री निवास जाएगा। बता दें, इस प्रदर्शन की वजह से 20 स्कूलों की परीक्षाएं रद्द कर दी गई है। विधानसभा की ओर आने वाले सभी रास्तों पर सामान्य ट्रैफिक का आवागमन सुबह 6 बजे से रात 8 बजे तक बंद कर दिया गया है। विधानसभा घेराव में प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, सह प्रभारी नितिन नवीन, प्रदेश भाजपा के सभी बड़े नेता शामिल हैं।

भाजपा के प्रदर्शन पर मुख्यमंत्री का तीखा हमला

आवास योजना को लेकर आज भाजपा बड़ा पॉलटिकल शो कर रही है। मोर आवास योजना को लेकर भाजपा ने विधानसभा घेराव का ऐलान किया है। हालांकि उससे पहले ही मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आवास योजना, उज्ज्वला योजना और शौचालय का सर्वे कराने की घोषणा कर नया दांव चल दिया है। हालांकि भाजपा मुख्यमंत्री के इस घोषणा से इतर इस मुद्दे को राजनीतिक रंग देने की कोशिश में जुट गयी है। आज भाजपा के प्रदर्शन के पहले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा को आड़े हाथों लेते हुए सवाल पूछा है कि क्या भाजपा हमारे हितग्राही सर्वे का समर्थन करती है क्या बीजेपी, हितग्राही सर्वे के हमारे निर्णय के खिलाफ ये धरना कर रहे हैं ? मुख्यमंत्री ने कहा कि आज बीजेपी विधानसभा घेराव कर रही है।

सुलेशन के जहर से सुलगता बचपन

फाईल फोटो

-दुलारे अंसारी-
रायपुर,15 मार्च 2023

(घटती घटना)। बचपना एक कच्ची मिट्टी के स्वरूप होता है। इसे मातापिता अपने अनुभवी कला के कुम्भकारी चाक पर चरित्र निर्माण के रूप में कई तरह के आकार का निर्माण कर सकता है। वही उनकी जरा सी ग़लती उसका स्वरूप को बिगाड़ सकता है।बाद में वह किसी काम का नही रह जाता। बच्चों के बचपन के सोपान पर मातापिता अपने बच्चों पर नज़र रखे किन्तु वे ऐसी कोई हरकत न करे जो कि बालमन को प्रभावित करने वाला हो, तथा बच्चे के मन मे मातापिता सहित परिवार के अन्य सदस्यों के प्रति वीरक्ति का भाव उत्तपन्न हो जाये जिसके कारण वह अपने लक्ष्य से भटककर नशे व अपराध की राह का रहगुज़र बन जाये ।बच्चों के बालमन को लेकर वर्षो से शोधकर्ता के रूप में शोध कार्य करने वाले शांतिविजय शास्त्रि के अनुसार नशे व अपराध के दलदल में फसने वाले इन बच्चों के मन मे अपने नशेड़ी दोस्तों के अलावा अपने मातापिता व अन्य परिजनों के लिए ज्यादातर मामलों में वितृष्णा का भाव पाया गया है।

कोविड 19 वैश्विक महामारी के प्रकोप से प्रभावित मानव समाज के परिदृश्य में यह देखने को मिल रहा है। राजधानी में इन दिनों कोरोना संकट काल से अब तक एक तरफ युवा वर्ग अपने नशे को पूरा करने के लिए चोरी ,लूट, व अन्य घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं।वहीं दूसरी तरफ किशोर वर्ग के बच्चों में भी अपराध की प्रवृत्ति घर करती जा रही है।नशे की गिरफ्त में गरीब वर्गो के किशोरवय बच्चे ही नही बल्कि मध्यम व आभिजात्य वर्ग के बालक भी शामिल है। ये बच्चे सुलेशन, वाइटनर, कफ सिरप, के अलावा कई तरह के अन्य नशे का उपयोग करते शहर के सुनसान इलाकों में करते नज़र आ जाएंगे, यह ही नही बल्कि नशे में इन बच्चों के बीच आपस में मारपीट व सिरफुटौव्वल का मामला भी प्रकाश में आया है।

किस तरह से किया जाता है नशा.....

सुलेशन व वाइटनर तथा खाँसी के दौरान इस्तेमाल किये जाने वाले कफ सिरप में ग्लॉयकोडिंन, कोरेक्स, टोरेक्स, व विभिन्न प्रकार के ड्रग्स का प्रयोग नशेड़ी नशा करने के लिए इस्तेमाल करते हैं जिसमे सुलेशन व वाइटनर नामक नशा जो कि सुलेशन सायकल के टियूब में हुए पंचर बनाने के काम लाया जाता है वहीं वाइटनर लिखने में लेखन त्रुटि सुधारने के लिए काम में लाया जाता जाता है। सुलेशन व वाइटनर को सूती के कपड़ों में लेकर रगड़कर मिला लिया जाता है व नशेड़ी मुँह में उस कपड़े को लेकर सांस को अंदर की ओर खीचते है।ऐसा दस से पन्द्रह बार करने से नशा करने वाले का दिमाग शून्य में विचरण करने लगता है। वही कफ सिरप की 100 एमएल की एक शीशी को पीने के बाद पीने वाले को 180 एमएल शराब का नशा होने के साथ मुँह से बदबू भी नही आती।

पहले बनाते है नशे का आदि फिर बनाते हैं पैडलर.....

बच्चों में बढ़ते नशे की प्रवृत्ति को लेकर पूर्व पुलिस अधिकारी जीएस बॉम्बरा ने संवाददाता को बताया कि एकाकीपन के शिकार बच्चो पर ड्रग पेडलर की नजर होती है ।पहले यह पेडलर उन बच्चों को कम मात्रा में ड्रग्स देकर उसका आदि बना देते हैं। बाद में उसे नशे का सामान बेचने के लिए मजबूर करते हैं । जिससे वह बच्चा अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए उनकी गिरफ्त में आकर ड्रग्स के धंधे में फस जाता है। और वह अपराध की ओर अग्रसर होता जाता है।

बच्चों पर कड़ी नजर रखते हुए भरपूर प्यार देवें

सुप्रसिद्ध चिकित्सक वह सेवानिवृत्त जिला चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर मंगलुरकर ने संवाददाता से चर्चा करते हुए बताया कि- अक्सर घर की परिस्थिति के कारण छोटे बच्चों के मन में माकूल असर पड़ता है। इसलिए पलकों को चाहिए की बच्चों पर कड़ी नजर रखते हुए भरपूर प्यार देवे,और उन्हें अकेला ना छोड़े इससे बच्चों पर एक प्रतिकूल असर पड़ेगा और वह नशे की तरफ अग्रसर नहीं होगा।

संयुक्त टीम बनाकर कार्रवाई करनी होगी...

सेवानिवृत्त सीएसपी जीएस बामरा अपने संवाददाता से चर्चा करते हुए बताया कि नशा ही अपराध का मूल जड़ है और इसे रोकना बहुत जरूरी है वरना समाज पर इसका प्रतिकूल असर पड़ेगा शासन को चाहिए कि एक्साइज पुलिस व खाद्य एवं औषधि प्रशासन की संयुक्त टीम बनाकर कार्यवाही की जानी चाहिए तब कहीं जाकर इस पर प्रतिबंधद्द लग सकता है ऐसा नहीं होने पर मानव समाज में इसका प्रतिकूल असर पड़ेगा ही।

महिला बाल विकास द्वारा यथा शीघ्र नशा मुक्ति केंद्र होगा संचालित....

महिला बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी अशोक पांडे ने जानकारी देते हुए बताया कि कि वाकई छोटे बच्चों के द्वारा नशा किया जाना समाज निर्माण में अवरोध उत्पन्न कर रहा है इसके लिए महिला बाल विकास द्वारा जल्द ही नशा मुक्ति केंद्र का संचालन किया जाएगा और घुमंतू बच्चे व नशे की गिरफ्त में आए किशोर भाई के बच्चों को नशा मुक्ति केंद्र मिलाकर उनका इलाज किया जाएगा पहले विभाग द्वारा नशा मुक्ति केंद्र संचालन किया गया था किंतु जिस संस्थान को उसकी जिम्मेदारी सौंपी थी वह अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा सके इसलिए कुछ दिनों के लिए यह कार्यक्रम बंद हो गया था अब यथा शीघ्र जी इसका शुभारंभ किया जाएगा

आशोक पांडे, जिला कार्यक्रम अधिकारी,महिला बाल विकास विभाग रायपुर

क्या कहते हैं एक्सपर्ट ... नशा छुड़ाने के लिए अब तक नहीं बनी है कोई दवाई

नशा मुक्त समाज की सृजन करने के उद्देश्य को लेकर संकल्प नशा मुक्ति केंद्र का संचालन करने वाली मनीषा शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि -विश्व में आज तक कोई ऐसी दवाई नहीं बनी जिससे नशा छोड़ा जा सके । हमारी संस्थान नशे के गिरफ्त में फंसे युवाओं व बच्चो को मानसिक रूप से सृजन करते हुए उन्हें अपने संस्थान में 30 दिन से लेकर 90 दिनों तक उनका इलाज काउंसलिंग के माध्यम से किया जाता है।इसके करते हुए उन्हें मानसिक रूप से सफलता प्रदान की जाती है इस दौरान उन्हें खेल कूद शारीरिक व्यायाम योगा के साथ सुपाच्य आहार तथा शारीरिक विकार को दूर करने के लिए मुफ्त में चिकित्सा दी जाती है। हमारा मूल उद्देश्य नशा मुक्त समाज का निर्माण करना है।

श्रीमती मनीषा शर्मा, डायरेक्टर संकल्प संस्थान,गीतांजलि नगर कॉलोनी,रायपुर

मौत की भीख मांगती जिंदगी

फाईल फोटो

-अशोक ठाकुर-
रायपुर,15 मार्च 2023

(घटती घटना)। पिछले दिनों प्रदेश की राजधानी रायपुर के एक सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में आगजनी की घटना में 6 लोग अकाल काल की गाल मे समा गए। यह दुखद घटना ने हर दिल को झकझोर कर रख दिया। वहीं अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही के साथ जिला स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली पर भी प्रश्नवाचक चिन्ह खड़ा कर दिया है। वहीं दूसरी तरफ जिला प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को 4 लाख मुआवजे का मरहम लगाया है। जो कि इस जख्म के लिए काफी नहीं है। अब स्वास्थ्य विभाग कई सवालों के घेरे पर घिरता नजर आ रहा है। जिस तरह बताय गया कि जिस भवन में वह अस्पताल था उसमें शार्ट-सर्किट के कारण यह दुर्भाग्य जनक दुर्घटना घटी जानकार लोगों के अनुसार इतने बड़े अस्पताल में फायर सिस्टम नहीं होने का दूसरा कारण गिनाया जा रहा है। अब सवाल पर सवाल यह उठता है कि इस घटना पर पुलिस प्रशासन ने लापरवाही पूर्वक गैर इरादतन हत्या का केस की धारा 304-ए दर्ज कर मामले को लिपापोती करने का प्रयास कर रही है। यह कहावत चरितार्थ होता है कि बदन में कोढ़ और उस पर खाज । यह भी बताया जा रहा है कि इस भवन का निर्माण पहले व्यवसायिक कार्य के लिए किया गय था। जो कि बाद में चलकर किसी निजी अस्पताल संचालकों को सुपरस्पेशलिटी हास्पिटल बनाने के लिए किराए पर दिया गया। बात यहां तक नहीं है। अब सवालों के जाल में पूरा जिला स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह फंस चुका है। नर्सिंग होम एक्ट पर नजर डाले तो नर्सिंग होम एक्ट के तहत किसी भी अस्पताल के लिए लाइसेंस लेने के पूर्व लाइसेंस के लिए अप्लाई करने वाले का विभाग द्वारा स्थल निरीक्षण किया जाना अति आवश्यक होता है। जिसमें आवागमन के लिए खुला मार्ग, फायर सेफटी सिस्टम ऑक्सीजन चेम्बर सहित बिस्तरों की जानकारी ऑपरेशन थियेटर आईसीयू कक्ष, जनरल वार्ड, सहित कई अन्य सुविधाओं का प्रावधान है लेकिन इसी विडंबना कहे या भ्रष्टाचार के चरखे पर रूपयों की कताई कहें। तत्कालीन जिला स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा तमामा नियमों को दरकिनार करते हुए नर्सिंग होम संचालक को लाइसेंस दे दिया। अब सवाल यह उठता है कि प्रदेश में सुपरस्पेशलिटी अस्पताल का बोर्ड लगाकर कितने ऐसे लोग है जो आम जनता की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं। क्या सरकार इन पर नकेल कसने की दिशा में कोई ठोस निर्णायक कदम उठाएगी? कब ? कैसे? किस तरह ? बशर्ते हुई इन मौतों का राजनीतिकरण ना हो। कोई भी दल पीड़ितों का पक्षधर होने की आड़ में अपनी राजनीतिक रोटी ना सेंके क्योंकि दुनिया में अब भी मानवता जीवित है। इसका प्रमाण दें ।

दम घुटने से पांच मजदूरों की मौत

» ईंट-भट्टे पर सो रहे थे सभी मजदूर

महासमुंद,15मार्च 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में एक दर्दनाक हादसे की खबर आ रही है। यहां ईंट-भट्टे पर सो रहे पांच मजदूरों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि धुएं में दम घुटने से पांच मजदूरों की जान चली गई।

जबकि इस हादसे में एक मजदूर का अस्पताल में भर्ती, जहां उसका उपचार किया जा रहा है। सभी मजदूरों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। एएसपी आकाश राव गिरिपुंजे ने घटना की पुष्टि की है।

दरअसल,यह घटना महासमुंद के गढ़फु लझर गांव की है। खबरों के अनुसार ईंट-भट्टे में आग लगाने के बाद सभी मजदूर वहीं सोए थे। अचानक आग सुलगने और उसके धुएं से मजदूरों का दम घुटने लगा और मौत हो गई। पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतकों के शव पीएम के लिए भेजा है।

बताया गया है कि माटीकला बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष चंद्रशेखर पांड़े के स्वजन ईंट का कारोबार करते हैं, यह भट्ठा उनके अनुज कुंज बिहारी का बताया जा रहा है। बताया गया है कि कुंजबिहारी ने श्रमिकों से ईंट बनवाकर उसे पकाने के लिए ठेका पर दिया था, ये ठेका श्रमिक थे। इन श्रमिकों गंगा राम बिसी (55), दशरथ बिसी(30), सोना चंद भोई (40), वरुण बरिहा(24), जनक राम बरिहा(35) और मनोहर बिसी(30) काम कर रहे थे।

दम घुटना एक ऐसी स्थिति है, जिसमें मरीज सांस नहीं ले पाता। यह अक्सर हवा की कमी या गले में कुछ फंस जाने के कारण होता है। आशंका जताई जा रही है कि ईंट-भट्टे पर सोने वाले मजदूरों के साथ ऐसा ही कुछ होगा, क्योंकि भट्टी अंदर से जल रही थी। जिससे ऊपर धुआं निकल रहा था। धुआं ज्यादा होने के कारण वे सांस नहीं ले पाए और उनकी मौत हो गई। फिलहाल पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

सीएम भूपेश बघेल ने ईंट भट्ठा श्रमिकों की मौत पर जताया शोक, मृतक के परिवार को 2-2 लाख रुपए देने की घोषणा

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने महासमुंद जिले के बसना विकासखंड के ग्राम गढ़फुलझर में ईंट भट्ठा में काम करने वाले 5 श्रमिकों की मौत पर दुख प्रकट किया है। मुख्यमंत्री बघेल ने मृतक व्यक्तियों के परिवार को 2-2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि मंज़ूर की है। उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों को गंभीर रूप से घायल श्रमिक को बेहतर से बेहतर इलाज की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि घटना में घायल श्रमिक को बेहतर उपचार के लिए राजधानी रायपुर रेफर किया है। कलेक्टर निलेशकुमार क्षीरसागर ने दुर्घटना के जांच के आदेश दिए है । जानकारी मिलते ही प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुँचे। अधिकारियों ने मृत श्रमिकों शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है । गंभीर रूप से घायल श्रमिक को बेहतर इलाज के लिए राजधानी रायपुर रेफर किया गया।

विधायकों को विधानसभा आने से रोकने पर हंगामा

» सदन में विपक्ष ने किया हंगामा

» गृहमंत्री को विधानसभा अध्यक्ष ने दिया निर्देश

रायपुर,15 मार्च 2023(ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा में आज विधानसभा आ रहे विपक्ष के विधायको को रास्ते में रोके जाने का मुद्दा उठा। भाजपा के विधानसभा घेराव के मद्देनजर पुलिस के लगाये बैरिकेट पर विधायकों को रोके जाने के मुद्दे पर विपक्ष ने जमकर शोर मचाया। विधायक शिवरतन शर्मा ने बताया कि उन्हें 20 किलोमीटर घूम कर आना पड़ा। वहीं बसपा विधायक केशव चंद्रा ने कहा कि उन्हें काफी दूर तक घूमकर आना पड़ा, बैरिकेट स्थल पर पुलिस खड़ी है, लेकिन उन्हें कोई रास्ता बताने वाला नहीं है।

विपक्ष ने इस मामले में अध्यक्ष से व्यवस्था का अनुरोध किया। विधानसभा अध्यक्ष ने ससंदीय कार्यमंत्री रविंद्र चौबे को निर्देश दिया कि वो दिखवा लें, अगर किसी विधायक को रोका जा रहा है, तो ऐसा ना किया जाये। बाद में अध्यक्ष ने विधानसभा में गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू को निर्देश दिया कि वो अधिकारियों को निर्देश दें। किसी विधायक को विधानसभा अपने कर्तव्य पालन के लिए आने से रोका नहीं जा सकता। अगर ऐसा हो रहा है तो ये गलत है।

जवाब में गृहमंत्री ने कहा कि वो अधिकारियों को निर्देश दे देंगे किसी भी विधायकों को रोका नहीं जाये। गृहमंत्री ने कहा कि पहले भी निर्देश दिया जा चुका है कि किसी भी विधायक को ना रोका जाये, अगर फिर भी ऐसा हो रहा है तो वो दोबारा निर्देश करा रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी की राजनीतिक गतिविधियां शुरू

-दुलारे अंसारी-
रायपुर,15 मार्च 2023(घटती घटना)। आगामी विधानसभा चुनाव की नजदीकी को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने अपनी राजनीतिक गतिविधियां शुरू कर दी है इन गतिविधियों में प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर मुद्दे के भारतीय जनता पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने विधानसभा घेरने की मुहिम चलाई जोकि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं व नेताओं ने कचना की ओर से विधानसभा धरने के लिए कुछ करने की तैयारी किया प्रशासन ने कई बैरिकेट्स से रोकने का प्रयास किया साथ ही आशु के गोलू की बरसात व पानी के प्रभावों से इन्हें रोकने की कोशिश की लेकिन कार्यकर्ताओं ने इन सभी बाधाओं को पार करते हुए 3 बैरिकेट्स पार कर लिए लेकिन विधानसभा तक पहुंच पाने में असमर्थ रहे घेराव के दौरान कहीं-कहीं भाजपा के कार्यकर्ताओं व जिला पुलिस बल के बीच विवाद की स्थिति निर्मित हो गई व कहीं-कहीं नेताओं द्वारा व्यंग बाण कैसे गए जिला प्रशासन की सतर्कता के चलते भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने विधानसभा घेराव नहीं कर पाए व प्रशासनिक मुस्तैदी को लेकर वही कई जगह झड़प की स्थिति बनी जिसे प्रशासन ने आंसू के गोले व पानी के प्रभारी से काबू कर लिया है आइए देखें इन तस्वीरों को और यह अंदाजा लगाएं कि वहां की स्थिति क्या थी

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)